केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 254 | उज्जैन, सोमवार 23 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

सलाह से सस्ती और अनुभव से महंगी दुनिया में कोई चीज़ नहीं.

पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हुए सम्मिलित

औद्योगिक उत्कृष्टता सम्मान एवं मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास गान का प्रदर्शन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के औद्योगिक विकास में मालवा का अपना विशिष्ट महत्व है। मालवा क्षेत्र की अनुकूल जलवायु और भौगोलिक स्थिति उद्योगों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक 8-लेन एक्सप्रेस-वे से दूरी कम होने से यातायात और लॉजिस्टिक्स की सुविधाएं सुदृढ़ हुई हैं। प्रदेश सरकार द्वारा नए प्रोजेक्ट्स के माध्यम से परिवहन और आधारभूत संरचना को और मजबूत किया जा रहा है। यह बात डॉ. मोहन यादव ने पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह में कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उद्योग, महिला, किसान और गरीब–हर वर्ग के विकास की बयार देश में बह रही है। विभिन्न वैश्विक संगठनों के साथ व्यापारिक समझौते और नई ट्रेड डील्स के माध्यम से भारत निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और विश्व पटल पर अपना परचम लहरा रहा है। देश व्यापार और वाणिज्य के स्वर्णिम काल की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उद्योगों का दायरा निरंतर विस्तारित किया जा रहा है, ताकि औद्योगिक विकास की अवधारणा केवल पीथमपुर तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश और देश में नए आयाम स्थापित करे। हमारी सरकार प्रदेश को औद्योगिक क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने तथा अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भी संभावनाओं को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एमपीआईडीसी के माध्यम से इंडस्ट्रियल बेल्ट के समग्र विकास के प्रयास प्रदेश को नई उपलब्धियां प्रदान करेंगे। ये प्रयास मध्यप्रदेश को औद्योगिक रूप से फ्रेंडली प्रदेश बनाने में कारगर सिद्ध होंगे और उद्यमशीलता के विकास को नई दिशा देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डॉ. गौतम कोठारी ने साहित्य की साधना के माध्यम से पीथमपुर की 40 वर्षों की भावपूर्ण यात्रा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। वर्ष 1983-84 के दशक में जब मूलभूत सुविधाओं का अभाव था, तब भी पीथमपुर की औद्योगिक बेल्ट ने संघर्ष, परिश्रम, धैर्य और नवाचार के बल पर अपनी पहचान स्थापित की। आज फार्मास्युटिकल से लेकर ऑटोमोबाइल तक हर क्षेत्र में पीथमपुर ने देश और प्रदेश में विशिष्ट स्थान बनाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में समर्पित Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) भवन की स्थापना की सराहना करते हुए कहा कि यह भवन वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और पेशेवर उत्कृष्टता को नई मजबूती प्रदान कर रहा हैं ।

40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित स्मारक ग्रंथ का विमोचन- कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण के रूप में पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की 40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी द्वारा लिखित स्मारक ग्रंथ "Pithampur: Zero to Zenith – A Journey of 40 Years" का मुख्यमंत्री के करकमलों से विधिवत विमोचन किया गया। यह ग्रंथ पीथमपुर की औद्योगिक उत्कर्ष गाथा, उपलब्धियों एवं क्रमिक विकास का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत करता है।

पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने एवं निवेश संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों हेतु मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रदेश के औद्योगिक विकास में उनके नेतृत्व एवं प्रतिबद्धता के लिए साधुवाद दिया गया।

प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने एवं निवेश प्रोत्साहन हेतु किए गए प्रभावी प्रयासों के लिए ÷एंकर्स ऑफ इंडस्ट्रियल एक्सीलेंस सम्मान प्रदान किया गया। विशेष रूप से पीथमपुर औद्योगिक संगठन के संस्थापक सदस्यों–वर्ष 1980 के मध्य से 1990 के मध्य तक–के 40 अग्रणी उद्योगपतियों को उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं औद्योगिक नगरी की सुदृढ़ नींव रखने में योगदान हेतु सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

एशिया-प्रशांत क्षेत्र का डाटा सेंटर हब बनेगा भारत, 800 अरब डॉलर का होगा निवेश; क्या है सरकार का प्लान?

नई दिल्ली/ जीएनएस। अगर भारत बिजली और ग्रिड चुनौतियों को हल करने में कामयाब हो जाता है तो भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र का डाटा सेंटर हब बन सकता है। डेलाइट दक्षिण एशिया के चीफ ग्रोथ ऑफिसर देबाशीष मिश्रा ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में पेश की गई रिपोर्ट पर बात करते हुए कहा कि वैश्विक डेटा खपत में भारत की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत है, लेकिन यहां दुनिया के पांच प्रतिशत से भी कम डेटा सेंटर है। इस स्थिति में इस क्षेत्र में विस्तार की काफी गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि कम निर्माण लागत और प्रतिस्पर्धी पावर टैरिफ के साथ बड़ी एआई स्किल्ड वर्कफोर्स जैसे आधारभूत फायदे भारत को लाभ की स्थिति में रखते हैं। सरकार की तरफ लाई जाने वाली नीतियों का भी समर्थन मिल रहा है। बजट में भारत से वैश्विक स्तर पर क्लाउड सर्विस देने वाली विदेशी कंपनियों को 2047 तक टैक्स नहीं देना होगा। इसके डेटा सेंटर निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य प्रोत्साहन का एलान किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 2030 तक डेटा सेंटर में लगभग 800 अरब डॉलर का निवेश आने का अनुमान है, जिससे वैश्विक क्षमता में इसकी हिस्सेदारी 40 प्रतिशत हो जाएगी और यह उत्तरी अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। भारत को इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने के लिए सबसे मजबूत दावेदारों में से एक माना जा रहा है। मिश्रा ने कहा कि भारत की डेटा सेंटर क्षमता 2025 में लगभग 1.5 गीगावाट से बढ़कर 2030 तक 8-10 गीगावाट होने की उम्मीद है। एआई से होने वाली विस्तार से बिजली की मांग तेजी से बढ़ेगी। एआई से जुड़े डाटा सेंटर बनाने के लिए 2030 तक 40-45 टेरावाट घंटे और बिजली की जरूरत होगी, जो 2024 में 10-15 टेरावाट थी। इससे देश में बिजली की खपत में इस सेक्टर की हिस्सेदारी लगभग 0.8 प्रतिशत से बढ़कर 2.5-3 प्रतिशत हो जाएगी। डेटा सेंटर्स को कम से कम ट्रांसमिशन लास के साथ बिना रुकावट वाली बिजली सप्लाई की जरूरत होती है।

ठाणे में अंडाणु दान रैकेट का भंडाफोड़, गरीब महिलाओं को लालच देकर हो रहा था शोषण

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने अंडाणु दान से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसमें करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की आशंका जताई जा रही है। पीड़ितों को हर मासिक चक्र के लिए 25 हजार से 30 हजार रुपये तक का लालच दिया जाता था और उन्हें बार-बार अंडाणु दान के लिए इस्तेमाल किया जाता था, जिससे उनका शारीरिक शोषण होता था। अधिकारियों के अनुसार, महिलाओं को आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) केंद्रों में ले जाया जाता था, जहां सर्जरी के जरिये अंडाणु निकाले जाते थे और बाद में उन्हें लाखों रुपये में बेचा जाता था। आशंका है कि अब तक करीब 20 महिलाएं इस रैकेट की शिकार बनी हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस अवैध कारोबार के सिलसिले में तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह बदलापुर पूर्व के जोवेली इलाके में रिहायशी इमारत और एक सोनोग्राफी केंद्र से संचालित किया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सुलक्षणा गाडेकर, अश्विनी चबूकस्वर और मंजुषा वानखेड़े के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार एक पीड़िता ने ठाणे की उप-जिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. ज्योत्स्ना सावंत को इस मामले की सूचना दी थी। इसके बाद हाल ही में सुलक्षणा के नैनो सिटी बिल्डिंग स्थित आवास पर छापेमारी की गई। आरोपितों के मोबाइल फोन से सोनोग्राफी रिपोर्ट, गर्भधारण में इस्तेमाल किए जाने वाले इंजेक्शनों की तस्वीरें, फर्जी नामों से बनाए गए हलफनामे, नकली दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन के साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

कश्मीर से लेकर गाजा तक आतंकी संगठनों के पाकिस्तान से जुड़े तार, रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली/ जीएनएस। पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान हमास और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे कट्टरपंथी इस्लामी समूहों को ऑपरेशन के लिए जगह मुहैया करा रहा है। इसके कारण लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे स्थानीय संगठनों को समर्थन मिल रहा है।

साथ ही वह गाजा और कश्मीर के मुद्दे पर इस्लामी देशों से समर्थन मांग रहा है। यह दावा अफगान डायस्पोरा नेटवर्क की एक रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत, पश्चिमी देशों और इजरायल के खिलाफ स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों को संगठित करने के लिए पाकिस्तान हमास को शरण दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, इन क्षेत्रों में परोक्ष संघर्षों और सशस्त्र टकरावों की नई लहर को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान के पश्चिम एशिया की ओर झुकाव को तत्काल चुनौती के रूप में लेना चाहिए। यह इसलिए मायने रखता है, क्योंकि जब पाकिस्तान पश्चिम एशिया में उपस्थिति बढ़ाएगा, तो आतंकवादी संगठनों के लिए उसका खुला समर्थन एक क्षेत्रीय समस्या बन जाएगी।

डोंकी रूट से अमेरिका गए जीरा के युवक की ट्रक हादसे में मौत

नई दिल्ली/ जीएनएस। पंजाब के मुक्तसर साहिब के कस्बा जीरा के गांव शाह अब्बू बुक्कर के 33 वर्षीय युवक गुरविन्द्रपाल सिंह की अमेरिका में सड़क हादसे में मौत हो गई। गुरविन्द्रपाल वर्ष 2023 में डोंकी रूट के माध्यम से करीब 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका गया था। 19 फरवरी को ट्रक चलाते समय उसका ट्रक अचानक पलट गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जैसे ही यह दुखद खबर गांव पहुंची, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक ग्रेजुएशन पास था और भारत में रोजगार न मिलने के कारण विदेश जाने का फैसला किया था। उसके पिता मोहिन्द्र सिंह ने कर्ज लेकर बेटे को अमेरिका भेजा था, ताकि परिवार की आर्थिक स्थिति सुधर सके।

डंकी रूट से गया था विदेश- परिवार के पास चार एकड़ जमीन है और बड़ा भाई गुरप्रीत सिंह पिता के साथ खेती करता है। चचेरे भाई राजविन्द्र सिंह ने बताया कि डोंकी रूट से जाने के कारण गुरविन्द्रपाल को अमेरिका में स्थापित होने में करीब दो वर्ष लग गए। सात महीने पहले ही उसे ट्रक चलाने का लाइसेंस मिला था और उसने काम शुरू किया था।

अवैध डोंकी रूट को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। भारी रकम खर्च करने और जोखिम भरे रास्तों से विदेश पहुंचने वाले युवाओं की जान पर बन आती है। गुरविन्द्रपाल की मौत ने ऐसे नेटवर्क और एजेंटों की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार से शव वापस लाने की अपील परिवार पर अभी भी भारी कर्ज बाकी है। अमेरिका से शव को भारत लाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। गांव की महिला सरपंच के पति चरणजीत सिंह ने कहा कि परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और शव लाने के लिए भी पैसों की कमी है।

परिवार ने सरकार और सामाजिक संस्थाओं से अपील की है कि उनके बेटे का शव जल्द भारत लाने में मदद की जाए।

बेटे की मौत के बाद माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

पांच करोड़ के इनामी माओवादी कमांडर देवजी ने किया आत्मसमर्पण, तेलंगाना पुलिस के सामने डाले हथियार

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के सबसे वांछित शीर्ष कमांडरों में से एक तथा मुख्य रणनीतिकार थिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी ने रविवार को तेलंगाना के मुलुगु जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उस पर कुल पांच करोड़ रुपये का इनाम था।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ के माड़ क्षेत्र से सक्रिय और केंद्रीय सैन्य आयोग के प्रभारी के रूप में कार्यरत देवजी का आत्मसमर्पण नेतृत्व की कमी से जूझ रहे इस संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। एक शीर्ष खुफिया सूत्र ने कहा, ÷संगठन के इतिहास में इस स्तर का कोई अन्य नेता नहीं है जिसने आत्मसमर्पण किया हो।÷ जानकारी के मुताबिक, 63 वर्षीय देवजी के साथ ओडिशा राज्य प्रभारी और केंद्रीय समिति सदस्य 73 वर्षीय मल्लाराजी रेड्डी उर्फ संग्राम एवं 16 अन्य माओवादियों ने भी हथियार डाले हैं। संग्राम पर एक करोड़ रुपये से अधिक का इनाम घोषित था।

किसके हाथों में गई कमान- भाकपा (माओवादी) के महासचिव नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू के मारे जाने के बाद संगठन की कमान पहले सेंट्रल रीजनल ब्यूरो प्रभारी मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति के पास थी। भूपति के 15 अक्टूबर 2025 को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आत्मसमर्पण के बाद संगठन की कमान अघोषित रूप से देवजी के हाथों में आ गई।

पाकिस्तान के बाद बांग्लादेशी मॉड्यूल का पर्दाफाश

नई दिल्ली/ जीएनएस। दल्ली की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े बांग्लादेशी मॉड्यूल को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एंटी-टेरर ऑपरेशन में गिरफ्तार किए गए लश्कर के आठ संदिग्ध ऑपरेटिव्स का हैंडलर मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद और सीनियर कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी समेत संगठन के टॉप लीडरशिप के सीधे संपर्क में था।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस हैंडलर की पहचान शब्बीर अहमद लोन के तौर पर हुई है। वह एक कश्मीरी आतंकी है और अभी बांग्लादेश में मौजूद है। बताया गया कि वह 2007 से ही लश्कर के टॉप के नेतृत्व के संपर्क में है। अधिकारियों का मानना है कि हाल ही में पकड़े गए मॉड्यूल को कोऑर्डिनेट करने में उसने अहम भूमिका निभाई थी। लोन के सईद और लखवी के साथ सीधे बातचीत के सबूत पहली बार तब सामने आए थे, जब दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने 2007 में उसे गिरफ्तार किया था। उस समय अधिकारियों ने कथित तौर पर सबूत बरामद किए थे, जिससे पता चलता था कि वह लश्कर के दो बड़े लोगों के साथ निरंतर संपर्क में था। हालांकि 2017 में उसे जेल से रिहा कर दिया गया था।

एक और तेजस विमान हुआ हादसे का शिकार, लैंडिंग के दौरान हुई घटना; पायलट सुरक्षित

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय वायुसेना का एक और तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट हादसे का शिकार हो गया है। इस घटना के बाद पूरे तेजस बेड़े की विस्तृत जांच की जा रही है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, यह हादसा इसी महीने एक महत्वपूर्ण एयर बेस पर हुआ। विमान प्रशिक्षण उड़ान से लौट रहा था और लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान को गंभीर नुकसान पहुंचा है और संभावना है कि इसे सेवा से बाहर करना पड़े। हालांकि राहत की बात यह है कि पायलट को कोई गंभीर चोट नहीं आई। विमान और डिलीवरी की स्थिति

यह विमान उन 32 सिंगल-सीट तेजस विमानों में से एक था, जिन्हें निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने वायुसेना को सौंपा है।

पिछली सरकारों के समय में गोली चलती थी, अब उत्तर प्रदेश में... चिप प्लांट के शिलान्यास के दौरान बोले CM योगी

नई दिल्ली/ जीएनएस। ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में आज इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड (HCL ग्रुप और फॉक्सकॉन का संयुक्त उद्यम) के सेमीकंडक्टर OSAT संयंत्र का शिलान्यास होने जा रहा है। यह उत्तर भारत की पहली ऐसी प्रमुख यूनिट है, जिसमें लगभग 3,706 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए और संबोधित किया, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव मौके पर उपस्थित हुए। यह परियोजना भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के साथ मंच पर पहुंच चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी का संबोधन शुरू- सीएम योगी ने कहा कि PM सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट लॉन्च करने जा रहे हैं। हम PM के शुक्रगुजार हैं जिन्होंने देश को इलेक्ट्रॉनिक्स हब के तौर पर स्थापित किया है। भारत मंडपम में AI समिट में देश और दुनिया भर से दस लाख से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। दुनिया भर के 110 देशों ने हिस्सा लिया। इंसानी जिंदगी को आसान और सरल बनाने की दिशा में काम हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि एचसीएल और फाक्सकान का ज्वाइंट वेंचर सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित होने जा रही है। पिछली सरकारों के समय में इसी क्षेत्र में गोली चलती थी अपहरण होती थी। सूर्य अस्त होने के बाद लोग घर से नहीं निकलते थे। आज पीएम के लीडरशिप में जेवर यूपी नहीं बल्कि देश का अग्रणी क्षेत्र बन गया है।

सीएम योगी ने क्या कहा- मंत्री जितिन प्रसाद ने PM के विजन को आगे बढ़ाया है। उन्होंने जेवर में HCL और फॉक्सकॉन वेंचर्स को स्थापित करने में अच्छा योगदान दिया है। यह इलाका मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स हब के तौर पर उभरा है। उन्होंने स्किल और स्पीड से उत्तर प्रदेश का दायरा बढ़ाया है। उन्होंने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जरिए कॉम्पिटिटिवनेस को बढ़ाया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में इन्वेस्टमेंट को एक ड्रीम डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित किया है।

उन्होंने आगे कहा कि पिछले चार दिनों से दुनिया भर के 110 से ज्यादा देश,ढ्ढ समिट में हिस्सा ले रहे हैं। 21वीं सदी की इकॉनमी चिप-बेस्ड दुनिया पर निर्भर है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमें जो मिल रहा है, वो सब मिल रहा है। पिछली सरकारों के समय में इस इलाके में गोलीबारी और किडनैपिंग होती थी।

हालात इतने खराब थे कि सूरज डूबने के बाद लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाते थे। अब प्रधानमंत्री के विजन में यह हीरा हर जगह चमक रहा है। अब प्रधानमंत्री के विजन की वजह से उत्तर प्रदेश में स्टील को स्केल देने का काम हुआ है और इसके नतीजे जमीन पर दिख रहे हैं।

‘भारतीय भाषा पर्व’ का भव्य आयोजन, मातृभाषा और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का संदेश

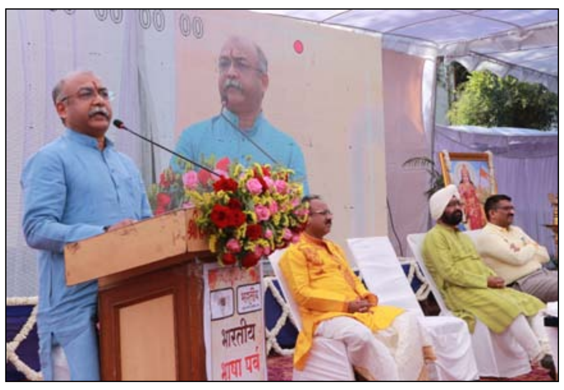

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में डॉक्टर हेडगेवार स्मारक समिति एवं भारतीय भाषा संवर्धन समिति के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में ‘भारतीय भाषा पर्व’ का गरिमामय आयोजन नूतन स्कूल (चिमन बाग) के फुटबॉल ग्राउंड में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न भाषाई समाजों ने अपनी संस्कृति, साहित्य और पारंपरिक व्यंजनों के माध्यम से भारत की विविधता में एकता का जीवंत प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पी. नरहरि, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मध्यप्रदेश ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की संस्कृति मूलतः एक है, भले ही यहाँ हर चार कोस पर बोलियाँ बदल जाती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के मानसिक विकास के लिए मातृभाषा अनिवार्य है। जिस प्रकार श्री कृष्णदेव राय ने विजयनगर साम्राज्य में भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के माध्यम से राज्य का विस्तार किया, उसी प्रकार हमें भी अपनी भाषाओं और संस्कृति को विश्व पटल पर गौरव दिलाने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त मेजर जनरल सरबजीत सिंह ने कहा कि मातृभाषा सीखने के लिए किसी विद्यालय की आवश्यकता नहीं होती, यह परिवार से ही प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि सेना के जवान केवल देश की सीमाओं की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि वे देश की संस्कृति और विचारों के भी संरक्षक होते हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता श्री प्रवीण गुप्त, क्षेत्र संपर्क प्रमुख ने भाषा के गिरते स्तर और पाश्चात्य प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी प्रभावों के कारण हम धीरे-धीरे अपनी वेशभूषा और संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संवेदना की अभिव्यक्ति है। ‘मदर’ शब्द में वह आत्मीयता नहीं है जो ‘माँ’ कहने में अनुभव होती है। उन्होंने दैनिक जीवन में मातृभाषा के अधिकाधिक उपयोग और हस्ताक्षर अपनी भाषा में करने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम संयोजक श्री रविंद्र देशपांडे के अनुसार इस पर्व में संस्कृत, निमाड़ी, मालवी, भीली, मैथिली, भोजपुरी, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मराठी, पंजाबी, मारवाड़ी, सिंधी, गुजराती, नेपाली और गढ़वाली सहित अनेक भाषाई समाजों ने सहभागिता की। विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ, पारंपरिक व्यंजनों और साहित्य की प्रदर्शनी तथा विशेष स्टॉल इस आयोजन के प्रमुख आकर्षण रहे।

कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर हेडगेवार स्मारक समिति के उपाध्यक्ष श्री रुपेश पाल ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को अपनी जड़ों और मातृभाषा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 131वें एपिसोड का बूथों पर श्रवण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ÷मन की बात÷ के 131वें एपिसोड को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न बूथों पर एकत्रित होकर सुना। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के महारानी लक्ष्मीबाई मंडल अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 के बूथ क्रमांक 120 पर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम का श्रवण किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश बजट पर महत्वपूर्ण अभिभाषण को भी सुना गया।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने वार्ड क्रमांक 15 के गांधी नगर स्थित टर्फ क्रिकेट मैदान पर कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। विधायक रमेश मेंदोला ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 में मोबाइल के माध्यम से कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम का श्रवण किया। विधायक गोलू शुक्ला ने वार्ड क्रमांक 57 के बूथ क्रमांक 33 स्थित बाल विकास केंद्र में, विधायक मालिनी गौड ने अपने वाहन में मोबाइल के माध्यम से, विधायक महेंद्र हार्डिया ने वार्ड 41 के बूथ क्रमांक 229 पर तथा विधायक मधु वर्मा ने वार्ड क्रमांक 81 के बूथ क्रमांक 11 पर कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ कार्यक्रम सुना।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में एआई के क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व, नवाचार की संभावनाओं और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज के सकारात्मक प्रयासों को राष्ट्रीय शक्ति में परिवर्तित करने की प्रेरणा देते हैं तथा देशवासियों को जागरूक, सक्षम और आत्मनिर्भर बनने का संदेश देते हैं।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष चंदन सिंह बैस, मंडल प्रभारी कपिल तिवारी, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व पार्षद राजेन्द्र रघुवंशी, मंडल महामंत्री गणेश वर्मा, प्रितेश रघुवंशी, बूथ अध्यक्ष गौरव बैस, बूथ महामंत्री संदीप पाल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री श्री सिलावट ने किया श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

सिंगापुर टाउनशिप में निकली भव्य कलश यात्रा, सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र के सिंगापुर टाउनशिप पुलिस चौकी के सामने इन्दौर में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया। बुंदेलखण्ड पीठाधीश्वर महंत श्री सीताराम दासजी महाराज का स्वागत कर उन्होंने कहा कि जहां धार्मिक आस्था और भक्ति का अनूठा संगम हो, वहां सनातन और संस्कृति का विस्तार होता है, यह कथा हमारी संस्कृति की प्रेरक रही है। हम सनातन विचारधारा के लोग है, जिसके कारण हमें आध्यात्मिक ऊर्जा और शक्ति मिलती और भक्ति भाव से राष्ट्रहित, धर्मरक्षा और जनसेवा से सामाजिक क्षेत्रों का विकास करते है।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि कथा व्यास बुंदेलखण्ड पीठाधीश्वर महंत श्री सीताराम दासजी महाराज के मुखारबिन्द से श्रीमद् भागवत कथा में धार्मिक आस्था और भक्ति का अनूठा संगम सिंगापुर टाउनशिप पुलिस चौकी के सामने इन्दौर में देखने को मिलेगा। कथा का आयोजन 22 से 28 फरवरी तक रहेगा। आज भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें हजारों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भक्ति भाव से भाग लिया। कलश यात्रा में घोडा-बग्गी, बैण्ड, भजन-कीर्तन, बाल मनोहारी झांकियां और धार्मिक उत्साह का माहौल देखने को मिला। कथा पश्चात प्रतिदिन भण्डारे का आयोजन होगा जिसमें सभी श्रद्धालुओं को

तेज आवाज में डीजे संचालन पर खजराना पुलिस की कार्रवाई, साउंड सिस्टम व वाहन जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में निर्धारित समय के बाद तेज आवाज में डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध खजराना थाना ने प्रभावी कार्रवाई की है। पुलिस ने डेसिबल मीटर एप के माध्यम से ध्वनि स्तर की जांच कर तय सीमा से अधिक आवाज पाए जाने पर डीजे साउंड सिस्टम और वाहन को मौके से जब्त कर लिया।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम एवं ध्वनि प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों और संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री कुमार प्रतीक तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमरेन्द्र सिंह द्वारा सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मण्डलोई के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव द्वारा टीम गठित कर क्षेत्र में सतत कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि खजराना क्षेत्र स्थित वेलोसिटी टॉकीज के पास बिना अनुमति, निर्धारित समय सीमा का उल्लंघन करते हुए और तय ध्वनि मानकों से अधिक स्तर पर डीजे बजाया जा रहा है। सूचना की तस्दीक के लिए तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान ध्वनि स्तर निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया, जिस पर पुलिस ने डीजे साउंड सिस्टम एवं डीजे वाहन को जब्त कर लिया।

इस संबंध में थाना खजराना में अपराध क्रमांक 145/26 दर्ज कर धारा 7/15 मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम एवं धारा 223 (ए) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस द्वारा संबंधित आयोजक के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है तथा भविष्य में भी ऐसे उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

श्रद्धेय नानाजी देशमुख ने अपना संपूर्ण जीवन ग्राम विकास, शिक्षा और स्वावलंबन के लिए समर्पित किया: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महूगांव में 100 बिस्तरों का नया अस्पताल बनेगा और महूगांव नगर परिषद को मिलेगा नगरपालिका का दर्जा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में चहुँओर तेज गति से विकास हो रहा है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के संतुलित विकास से ही हम मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमने विकास को राष्ट निर्माण का आधार बनाया है, हम उसी संकल्प को लेकर प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश में हो रहे विकास कार्य आने वाले सम में शिक्षा, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं का नया केंद्र बनाएंगे। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मध्यप्रदेश सरकार विकास के प्रति प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में क्षेत्र में और तेजी से विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने आदिवासी नायक टंट्या मामा के सम्मान में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया और भगोरिया उत्सव को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाने के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने महूगांव को सौगात देते हुए यहां 100 बिस्तरों का नया अस्पताल बनाने की घोषणा की। साथ ही कहा कि महूगांव नगर परिषद को नगर पालिका का दर्जा भी दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर जिले के महू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महूगांव पहुंचे। उन्होंने यहाँ लगभग 85 करोड़ रुपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख जी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए 4.50 करोड़ रुपये की लागत से विकसित नानाजी देशमुख पर्यटक स्थल का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 38 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महू तथा एक करोड़ रुपये की लागत से निर्मित चंद्रशेखर आजाद सरोवर (काकड़पुरा तालाब) पार्क एवं घाट का भी लोकार्पण और सम्पूर्ण क्षेत्र का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास (राज्यमंत्री) श्रीमती सावित्री ठाकुर, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, सांसद सुश्री कविता पाटीदार, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, श्री मधु वर्मा, श्री गौरव रणदिवे तथा श्री श्रवण चावड़ा, श्री कंचन सिंह चौहान, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, पुलिस पुलिस अधीक्षक इंदौर (ग्रामीण) श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर आयोजित समारोह को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख को स्मरण करते हुए कहा कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन के महान साधक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ग्राम विकास, शिक्षा और स्वावलंबन के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नानाजी देशमुख का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है, और जब गांव मजबूत होंगे तभी राष्ट्र मजबूत बनेगा। उनके द्वारा स्थापित किए गए विकास मॉडल आज भी पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महू क्षेत्र ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और औद्योगिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली है, वहीं निकट ही जानापाव पर्वत भगवान परशुराम की जन्मस्थली के रूप में भी प्रसिद्ध है। महू क्षेत्र क्रांतिसूर्य टट्या मामा की कर्मभूमि भी रहा है। इस कारण यह पूरा क्षेत्र एक प्रकार से तीर्थ नगरी का स्वरूप लिए हुए है। आज महू और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से औद्योगिक विकास हुआ है। चारों ओर उद्योग, कॉलेज, स्कूल और विकास कार्यों को देखकर गर्व की अनुभूति हुई। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों को विकास में सहभागिता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा के लिए शस्त्र और शास्त्र का ज्ञान हमारी प्राचीन परंपरा रही है।

उन्होंने महिलाओं, युवाओं, गरीबों और किसानों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा कहा कि इससे इन वर्गों के जीवन में तेजी से सकारात्मक बदलाव आ रहा है। राज्य सरकार लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। इस योजना की राशि 1000 रुपए से बढ़कर 1500 रुपए हो चुकी है और आगे भी महिलाओं के हित में निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने आयुष्मान योजना, सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए उपचार सहायता, एयर एम्बुलेंस सुविधा और अंगदान करने वालों को गार्ड ऑफ ऑनर देने जैसी पहलों का भी उल्लेख किया। सांदीपनि विद्यालयों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन स्कूलों के माध्यम से बच्चों को आधुनिक सुविधाओं सहित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, जिसमें खेल, पढ़ाई और कौशल विकास के सभी आयाम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आगामी सत्र से सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को दूध उपलब्ध कराने की योजना शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्रीजी ने कहा कि महू-खंडवा रेल लाइन का कार्य भी शीघ्र पूर्ण होगा तथा क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रेल सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया। इनमें 14.44 करोड़ रुपये की लागत से अमृत 2.0 योजना अंतर्गत नवीन पेयजल लाइन, 7.52 करोड़ रुपये की लागत से स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत उपयोगित जल प्रबंधन योजना, 10.40 करोड़ रुपये की लागत से महू-नीमच रोड निर्माण, 2 करोड़ रुपये की लागत से महूगांव मुक्तिधाम पर घाट निर्माण, 1.03 करोड़ रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, 2.50 करोड़ रुपये की लागत से गायकवाड़ चौराहे से महूगांव स्कूल तक सड़क निर्माण तथा 1.51 करोड़ रुपये की लागत से गौशाला रोड निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में कन्या पाद पूजन किया।

ट्रेन संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीन- इंदौर स्पेशल के समय में संशोधन, 23 फरवरी से 28 मार्च तक संचालित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेल प्रशासन द्वारा ट्रेन संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीनङ्कइंदौर स्पेशल के संचालन समय में संशोधन किया गया है। यह विशेष ट्रेन प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से प्रातः 08:20 बजे प्रस्थान करेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ट्रेन रतलाम मंडल के अंतर्गत नागदा स्टेशन पर 18:10 बजे आगमन एवं 18:35 बजे प्रस्थान, उज्जैन पर 19:20 बजे आगमन एवं 19:25 बजे प्रस्थान तथा देवास पर 20:05 बजे आगमन एवं 20:07 बजे प्रस्थान करेगी। इसके पश्चात ट्रेन उसी दिन रात्रि 21:00 बजे इंदौर पहुंचेगी। यह विशेष ट्रेन 23 फरवरी 2026 से 28 मार्च 2026 तक निर्धारित तिथियों पर संचालित की जाएगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व समय-सारणी की जानकारी अवश्य सुनिश्चित कर लें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घायल भाजपा कार्यकर्ता बिंदु चौहान से मुलाकात कर जाना स्वास्थ्य हाल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज दोपहर इंदौर प्रवास के दौरान सीधे सीएचएल हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदर्शन के दौरान घायल हुई भाजपा कार्यकर्ता बिंदु चौहान के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि भाजयुमो द्वारा आयोजित प्रदर्शन के दौरान हुई पत्थरबाजी में बिंदु चौहान गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से उपचार की प्रगति के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की और बेहतर एवं समुचित इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान श्रीमती चौहान ने मुख्यमंत्री को पूरी घटना की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की तथा परिजनों से चर्चा कर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक महेंद्र हार्डिया, गोलू शुक्ला, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, आलोक डाबर, कैलाश पीपले तथा मंडल अध्यक्ष नीतेश जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'किसान कल्याण की बात युवाओं के साथ' कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ड्रोन, एआई, स्मार्ट सिंचाई और डिजिटल मार्केटिंग को बढ़ावा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा, कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीक के साथ आगे आएंगे तो मध्यप्रदेश न केवल खाद्यान्न उत्पादन में बल्कि कृषि आधारित उद्योगों, जैविक उत्पादों और एग्री-एक्सपोर्ट में भी देश में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर के बास्केटबाल काम्पलेक्स में एक निजी मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित ÷किसान कल्याण की बात युवाओं के साथ÷ कार्यक्रम में रूबरू हुए। साथ ही युवा किसानों व विशेषज्ञ किसानों से संवाद किया। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में युवाओं की भूमिका को सशक्त बनाना, किसान कल्याण की नीतियों पर संवाद स्थापित करना, आधुनिक खेती और तकनीक को बढ़ावा देना था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रश्नों के जवाब में कहा कि मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है और राज्य को देश का अग्रणी कृषि राज्य बनाने की दिशा में सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह वर्ष कृषि और किसानों को समर्पित कर किसान कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, किसान, कृषि वैज्ञानिक एवं उद्यमी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में युवा किसान और कृषि क्षेत्र से जुड़े युवा प्रतिनिधियों ने कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर मुख्यमंत्री जी से सीधे संवाद भी किया। इस दौरान रोबोट द्वारा भी मुख्यमंत्री जी से कृषि विकास को लेकर प्रश्न किया गया। जिसका जवाब देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से कहा कि यदि वे नई तकनीक, ड्रोन, जैविक खेती, फूड प्रोसेसिंग और कृषि आधारित उद्योगों से जुड़ेंगे, तो न केवल अपनी आय बढ़ा सकेंगे बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृषि में युवाओं की भागीदारी से उत्पादन, गुणवत्ता और निर्यात में वृद्धि संभव है।

कृषि आधारित उद्योगों व प्रसंस्करण को बढ़ावा देने पर राज्य शासन का विशेष जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश दलहन एवं तिलहन उत्पादन में भी देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए सरकार पुरजोर प्रयास कर रही है। उन्होंने निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में निवेश करें, राज्य शासन द्वारा हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में आयोजित ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री रमेश मेंदोला तथा श्री गोलू शुक्ला, श्री गौरव रणदीवे, श्री सावन सोनकर, श्री सुमित मिश्रा, श्री जयपाल सिंह चावड़ा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री संजय अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योग बढ़ाने सहित खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश सरकार किसान, उद्योग और व्यापार–तीनों को साथ लेकर विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा और इसके लिए शासन की ओर से पूर्ण सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि चना भारतीय भोजन का अभिन्न हिस्सा है और विशेष रूप से शाकाहारी समाज के लिए यह पोषण का बड़ा स्रोत है। दुनिया में दाल उत्पादन और उपभोग दोनों में भारत अग्रणी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित संरक्षण और कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं तथा वैश्विक स्तर पर भी किसानों का पक्ष मजबूती से रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए पांच वर्ष का रोडमैप तैयार किया है। उद्योग स्थापना के लिए नियमों का सरलीकरण किया गया है। भूमि, बिजली, पानी और करों में रियायत दी जा रही है तथा श्रम आधारित उद्योगों के लिए प्रति श्रमिक 5 हजार रुपये प्रतिमाह तक सहायता का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में राज्य के बजट को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 के बाद प्रदेश में सिंचाई के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ी है और किसानों की आय में सुधार हो रहा है।

चंबल नदी और चंबल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए चंबल विकास यात्रा मंदसौर पहुंची

ठाकुर जोगेंद्रसिंह भदौरिया के नेतृत्व में जगह-जगह मिल रहा है यात्रा को समर्थन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चंबल अंचल के सर्वांगीण विकास, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार को लेकर ठाकुर जोगेंद्रसिंह भदौरिया के नेतृत्व में चंबल विकास यात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 20 फरवरी से 02 मार्च 2026 तक चलेगी। यात्रा का शुभारंभ जनापाव कुटी (मध्य प्रदेश) से 20 फरवरी से शुरू होकर 2 मार्च 2026 को पचनदा संगम पर समापन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा।

चंबल विकास यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए ठाकुर जोगेंद्रसिंह भदौरिया ने बताया कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य चंबल विकास यात्रा के माध्यम से चंबल नदी एवं उसके आसपास के क्षेत्रों को लेकर व्यापक जन-जागरूकता फैलाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें चंबल नदी संरक्षण, जल संरक्षण एवं बीहड़ क्षेत्र के विकास के प्रति जनभागीदारी बढ़ाना है। चंबल क्षेत्र को प्रदूषण-मुक्त नदी क्षेत्र के रूप में विकसित करने का संदेश देना। क्षेत्र की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्मृतियों एवं धार्मिक स्थलों का प्रचार-प्रसार है। स्थानीय ग्रामीणों, किसानों, मछुआरों और युवाओं से संवाद कर विकास के लिए सामूहिक संकल्प लेना है। यात्रा के माध्यम से जन जागरूकता के अलावा सरकार से जो प्रमुख मांगे की गई उनमें चंबल अंचल के विकास से संबंधित निम्न प्रमुख मांगें रखी जा रही है जिसमें चंबल क्षेत्र को शासकीय रूप से पिछड़ा क्षेत्र घोषित किया जाए। चंबल विकास बोर्ड की स्थापना की जाए। सेना में चंबल रेजिमेंट की स्थापना की जाए। क्षेत्र में रोजगार के नए एवं स्थायी अवसर सृजित किए जाएं। चंबल नदी व आसपास के प्राकृतिक स्वरूप को नष्ट होने से रोका जाए। चंबल के बीहड़ों और जंगलों को उपजाऊ एवं विकसित बनाया जाए। चंबल क्षेत्र में गौ-अभयारण्य की स्थापना की जाए। यात्रा के रूट के बारे में जानकारी देते हुए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एपी सिंह ने बताया कि 21 फरवरी को उज्जैन - मंदसौर (पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर दर्शन) हुए। आगे रतलाम 22 फरवरी - रतलाम - चित्तौड़गढ़ (गांधी सागर बांध क्षेत्र),23 फरवरी - चित्तौड़गढ़ - कोटा (राणा प्रताप सागर बांध एवं जवाहर सागर बांध), 24 फरवरी - कोटा में चंबल आरती,25 फरवरी - करौली माता दर्शन - करौली, धौलपुर एवं मुरैना में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 26 फरवरी - मुरैना - पोरसा - भिंड,27 फरवरी - बटेश्वर - बाह,28 फरवरी - बाह - उदी मोड़, उदी प्राकृतिक गुफा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, 01 मार्च - चकरनगर,02 मार्च - पचनदा संगम, दोपहर 2 बजे समापन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। चंबल विकास यात्रा के आयोजकों का कहना है कि यह अभियान केवल यात्रा नहीं, बल्कि चंबल अंचल के भविष्य को सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक जनआंदोलन है, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। चंबल विकास यात्रा में नरेश सिकरवार, निराहारी बाबा, पूर्व डीएसपी सुरेंद्र सिंह तोमर, शिवम सिकरवार, राजेंद्र सिंह राणावत, अरविंद सिंह सिकरवार, अर्जुन सिंह भदौरिया, राजेंद्र सिंह परिहार, वरिष्ठ अधिवक्ता एच एन सिंह, श्रीमती उपदेश भदोरिया, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ एपी सिंह मौजूद थे। यात्रा का मंदसौर पहुंचने पर मंदसौर जिला प्रभारी अनूप सिंह भदौरिया, नरेंद्र धनोतिया, राजू मालवीय आदि ने स्वागत किया और शुभकामनाएं दी।

अल्प्राजोलम की 4800 गोलियां बरामद, दो आरोपी पकड़े गए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ थाना निरीक्षक हरीश मालवीय एवं उनकी टीम ने मुखबीर सूचना पर कार्रवाई करते हुए अल्प्राजोलम की 4800 गोलियां बरामद की है। मामले में दो आरोपी पकड़े गए हैं, जो 8 पैकेटों में ये प्रतिबंधित गोलियां परिवहन कर रहे थे। यह कार्रवाई एसपी विनोद मीना, गरोठ एएसपी हेमलता कुरील और एसडीओपी विजय यादव के संज्ञान में लाकर की गई है। गरोठ थाना पुलिस के अनुसार सउनि बालमुकुन्द परमार को 22 फरवरी के दिन मुखबीर सूचना प्राप्त हुई । मुखबीर ने बताया कि दो व्यक्ति एक काले रंग की बाइक से अवैध मादक पदार्थ अलप्राजोलम की गोलियां परविहन कर चित्तौड़, नीमच और मंदसौर व मेलखेड़ा के रास्ते गरोठ होकर बोलिया रोड की तरफ जाने वाले हैं। सूचना पर निरीक्षक हरीश मालवीय के निर्देशन में सउनि बालमुकुंद परमार एवं गठित टीम ने मेलखेड़ा रोड पर वारनी फंटा के यहां नाकाबंदी की। इस दौरान मुखबीर के बताए अनुसार दो व्यक्ति आते दिखे। रोकने पर वे भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। आरोपियों ने अपना नाम कल्याणसिंह पिता रामसिंह 33 वर्ष एवं दूसरे ने अपना नाम कालू पिता खेमराज 32 वर्ष, दोनों निवासी गांव धनेत जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान का होना बताया। इनकी तलाशी में अल्प्राजोलम के 8 पैकेट मिले। प्रत्येक पैकेट में 10 पत्ते होकर एक पत्ते में 60 गोलियां रही है। इस प्रकार 4800 गोलियां मिली। इनका वजन 982 ग्राम आंका गया। पुलिस द्वारा मामले में एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

ट्रेक्टर चोरी में हुए गोलीचालन प्रकरण का तीसरा आरोपी गिरफ्तार- गरोठ थाना निरीक्षक हरीश मालवीय एवं टीम ने थाना क्षेत्र के ग्राम बालोदा में गत दिनों ट्रेक्टर चोरी के दौरान गोलीचालन अपराध के तीसरे आरोपी को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार बालोदा गांव में रामप्रहलाद सेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, बताया कि उसके पिता गणपतलाल सेन को बदमाशों ने गोली मारी है। आरोपी ट्रेक्टर चोरी कर रहे थे। खटपट आवाज आने पर पीड़ित गणपतलाल सेन घर से बाहर आया तो उन्हें गोली मारी गई थी। मामले में पुलिस ने पूर्व में दो कंजर कमल और गोविन्द को पकड़ा था। रविवार को तीसरा आरोपी अजय पिता राममूर्ति 20 वर्ष निवासी लाखाखेड़ी डेरा गंगधार जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया गया। मामले में दो और आरोपी हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

गाँधीसागर वन्यप्राणी अभयारण्य में गिद्धों की उत्साहजनक वृद्धि, 1013 गिद्धों के साथ बना सुरक्षित ठिकाना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित गाँधीसागर वन्यप्राणी अभयारण्य एक बार फिर गिद्धों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना 2025-26 के तहत आज संपन्न हुई गणना का निरीक्षण मुख्य वन संरक्षक उज्जैन वृत्त, आलोक पाठक एवं वनमंडलाधिकारी मंदसौर संजय रायखेरे द्वारा किया गया। गणना के परिणामों में कुल 1013 गिद्ध पाए गए हैं।

गाँधीसागर अभयारण्य केवल स्थानीय गिद्धों का ही नहीं, बल्कि विदेशी प्रजातियों का भी पसंदीदा ठिकाना है। कहाँ से आते हैं- गणना में पाए गए हिमालयन ग्रिफन, यूरेशियन ग्रिफन और सिनेरियस जैसे गिद्ध लंबी दूरी तय कर यहाँ पहुँचते हैं। ये मुख्य रूप से तिब्बत, मध्य एशिया, और हिमालय की ऊँचाइयों से शीतकाल के दौरान प्रवास करते हैं। ये प्रवासी गिद्ध आमतौर पर अक्टूबर-नवंबर के महीने में गाँधीसागर पहुँचते हैं और गर्मी शुरू होने से पहले यानी मार्च-अप्रैल तक यहाँ रुकते हैं। निरीक्षण के दौरान डीएफओ संजय रायखेरे ने गाँधीसागर की अनुकूलता के प्रमुख कारण बताए। सुरक्षित चट्टानें चंबल नदी के किनारे स्थित ऊँची और दुर्गम चट्टानें गिद्धों को सुरक्षित घोंसले बनाने और प्रजनन के लिए आदर्श स्थान प्रदान करती हैं। अभयारण्य में वन्यजीवों की अच्छी संख्या और आस-पास के क्षेत्रों में पशुधन की उपलब्धता के कारण इन्हें पर्याप्त भोजन मिलता है। चंबल का पानी इनके लिए बारहमासी जल स्रोत है। अभयारण्य का शांत वातावरण और सुरक्षित कॉरिडोर इनके फलने-फूलने में मदद करता है। सीसीएफ आलोक पाठक ने बताया कि गाँधीसागर में 115 सक्रिय घोंसलों का मिलना, इस बात का प्रमाण है कि यहाँ का ईकोसिस्टम बेहद मजबूत है। हम इन प्रकृति के सफाईकर्मियों के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इस गणना कार्य में अधीक्षक अमित राठौर सहित वन विभाग के अमले और पक्षी प्रेमियों का विशेष योगदान रहा।

भाना भील की नगरी भानपुरा में गूंजी जयस की हुंकार

24 घंटे में कार्रवाई न होने पर मंदसौर में भूचाल की चेतावनी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजा भाना भील की ऐतिहासिक नगरी भानपुरा के कालाकोट में आयोजित विशाल महासभा पंचायत में आदिवासियों के हक और स्वाभिमान की गूंज सुनाई दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए पूर्व जयस जिला अध्यक्ष संजय खराड़ी ने प्रशासन को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं पर अपना पक्ष रखा।

प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम- मंच से जनसमूह को संबोधित करते हुए संजय खराड़ी ने राणा पूंजा भील चौराहे के मामले में प्रशासन की सुस्ती पर कड़ा रोष जताया। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा, ÷अगर 24 घंटे के अंदर राणा पूंजा भील चौराहे को लेकर उचित निर्णय और ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो मंदसौर जिले में ऐसा जनांदोलन और भूचाल आएगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

जमीन हड़पने वालों का होगा पर्दाफाश- खराड़ी ने आदिवासियों की जमीनों पर हो रहे अतिक्रमण और अवैध कब्जों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने घोषणा की कि वे आरटीआई के माध्यम से उन सभी लोगों का रिकॉर्ड सार्वजनिक करेंगे, जिन्होंने छल-कपट से आदिवासियों की जमीनें हड़पी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आदिवासियों के अधिकारों से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अनुशासन ही संगठन की शक्ति- अपने संबोधन में उन्होंने समाज और युवाओं को अनुशासन का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि बिना अनुशासन के न तो परिवार चल सकता है और न ही समाज या संगठन। जयस की विचारधारा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि परिणाम केवल रैलियों से नहीं, बल्कि वैचारिक एकता और संगठित शक्ति से मिलते हैं। इस अवसर पर जयस जिला अध्यक्ष राजू खराड़ी जिला महासचिव सुरेश चौहान, जिला, कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश गुन्द्रावत, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र बुज और जिला प्रचारक समरथ खेर सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के युवा और मातृशक्ति उपस्थित रही।

यह जानकारी अनिल तंवर जिला मीडिया प्रभारी, जयस (मंदसौर) द्वारा बताई गई।

उन्नत उद्यानिकी तकनीक सीखने उत्तरप्रदेश रवाना हुए तीस कृषक

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा राज्य पोषित योजना अंतर्गत विदिशा जिले के कृषकों को उन्नत उद्यानिकी तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से 5 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत जिले के 30 कृषकों का दल 22 से 26 फरवरी तक उत्तर प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थानों का भ्रमण कर प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

कृषक दल को आज रविवार को जिला पंचायत परिसर से जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, जनपद पंचायत नटेरन की कृषि स्थायी समिति के सभापति श्री गजेन्द्र सिंह राजपूत व अन्य जनप्रतिनिधियों तथा उघानिकीय विभाग के सहायक संचालक श्री एस एल सोलंकी द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है। सहायक संचालक श्री सोलंकी ने बताया कि कृषक दल प्रशिक्षण के दौरान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सिट्रस, झांसी, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर, रहमानखेड़ा लखनऊ, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड अरोमैटिक प्लांट्स, लखनऊ, नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड में पंजीकृत मलिहाबाद स्थित नर्सरियों तथा आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, कुमारगंज अयोध्या का भ्रमण करेंगे। भ्रमण स्थानों पर कृषकों को फल, सब्जी, औषधीय एवं सुगंधित फसलों की उन्नत किस्मों, पौध उत्पादन, आधुनिक प्रबंधन तकनीकों एवं उद्यानिकी आधारित स्वरोजगार के संबंध में व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी। इस प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम के लिए ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी रामचंद्र वर्मा को दल प्रभारी के रूप में अधिकृत किया गया है।

भूखंड अपना बताकर 1.5 लाख रुपए ठगे, प्रकरण दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यशोधर्मन नगर थाने में फरियादी ने अपने साथ हुई जालसाजी की शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी ने भूखंड को उसका खुद का बताकर एग्रीमेंट कराया लिया व 1.5 लाख रुपए अग्रिम लेकर रजिस्ट्री करवाने के नाम पर धोखाधड़ी की है। पुलिस के अनुसार फरियादिया रीना पति मुकेश धाणक निवासी इंदिरा कॉलोनी ने शिकायत दर्ज कराई। बताया कि विनोद गिरी पिता गणपत गिरी गोस्वामी निवासी चंदरपुरा ने 14 मई 2025 से 21 फरवरी 2026 के बीच तक उसे झांसा दिया। जो भूखंड उसने अपना बताया था, वह उसका नहीं था। भूखंड दिलवाने और उसकी रजिस्ट्री करवाने के नाम पर 1.5 लाख रुपए लेकर धोखाधड़ी की है। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

विकसित भारत निर्माण में सभी अपना योगदान देने का संकल्प ले - श्री सखलेचा

विधायक श्री सखलेचा ने जावद में 12.60 करोड़ के संयुक्त एसडीएम एवं तहसील कार्यालय भवन का भूमिपूजन किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में प्रस्तुत बजट जीरो टैक्स वाला बजट है सरकार ने आम जनता पर कोई टैक्स नहीं लगाया है । सरकार आमजनों के विकास एवं खुशीया बढ़ाने का काम कर रही है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी देश को 204। तक विकसित भारत बनाने की परिकल्पना की है । हम सब मिलकर प्रधानमंत्री जी की इस परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देने का संकल्प ले । यह बात पूर्व मंत्री एवं जावद क्षेत्र के विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने रविवार को जावद में 12.60 करोड़ की लागत से बनने वाले नवीन संयुक्त एसडीएम एवं तहसील कार्यालय भवन एवं 5.26 करोड़ की लागत से बनने वाले नवीन जनपद कार्यालय भवन के भूमि पूजन समारोह को मुख्य अतिथि की रुप में संम्बोधित करते हुए कही।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान, जनपद अध्यक्ष श्री गोपाल चारण ,ज़ि.प सीईओ श्री अमन वैष्णव एवं एसडीएम सुश्री प्रीति संघवी तथा सभी नगरीय निकायों के अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान ने अपने उदबोधन में कहा कि जावद क्षेत्र में शिक्षा,स्वास्थ्य,डोम निर्माण एवं सिंचाई के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए है , प्रधानमंत्री आवास एवं उज्वला योजना के माध्यम से गरीबो को पक्की छत एवं निःशुल्क गैस कनेक्शन की सुविधा मिली है । आयुष्मान योजना से गरीबो को 5 लाख तक की उपचार सहायता भी मिल रही है। कार्यक्रम को जनपद अध्यक्ष श्री गोपाल चारण ने भी सम्बोधित किया।

प्रारम्भ में अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अतिथियों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर नवीन संयुक्त एसडीएम एवं तहसील कार्यालय भवन तथा जनपद कार्यालय भवन का भूमिपूजन किया । तहसीलदार श्री पी.एस. पटेल , श्री बी.एल. डाबी, ज.प. सीईओं श्री शैलेन्द्र आदिवासी एवं नायब तहसीलदार श्री कमलेश डूडवे ने अंगवस्त्रम एवं पगड़ी पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया।

अंत में एसडीएम सुश्री प्रीति संघवी ने आभार व्यक्त किया ,इस मौके पर जनप्रतिनिधि , पंचायत पदाधिकारी जावद शहरवासी , अधिकारी कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे।

जिला कांग्रेस ने मौलाना कलाम आजाद को याद किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस में भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारतीय राष्टीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं देश के प्रथम शिक्षा मंत्री स्वर्गीय मौलाना अबुल कलाम आजाद को उनकी पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती व कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद ने स्वतंत्र भारत की शिक्षा व्यवस्था की नींव रखी आज जब शिक्षा को व्यवसाय का रूप दिया जा रहा है तब मौलाना आजाद के विचार उनकी शिक्षा नीति हमारे लिए प्रेरणा सूत्र है उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों पर चलकर शिक्षा और एकता का संदेश फैलाने का आह्वान किया है। इस अवसर पर ओम दीवान, बृजेश मित्तल, मनोहरअंब,हारून रशीद, जगदीश पुनार, इलियास कुरेशी, सोनू यादव, संजय पंवार अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

जैविक हाट का शुभारंभ कृषि उपज मंडी सैलाना बस स्टैंड के पास किया गया प्रत्येक रविवार को जैविक अनाज, सब्जी, फल, दूध, घी उपलब्ध

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा वर्ष 2026 कृषक वर्ष घोषित किया गया है। रतलाम जिले में जैविक हाट मेले का शुभारंभ जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय, नगर पालिका निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा मनोज शर्मा, एसडीएम शहर सुश्री आर्ची हरित, परियोजना संचालक श्री निर्भय सिंह नर्गेश, उप संचालक उद्यानिकी श्री मंगल सिंह डोडवे, किसान संघ से श्री बद्रीलाल चौधरी, श्री ललित पालीवाल, श्री धर्मेंद्र सिंह, श्री सुरेश पाटीदार, श्री विक्रम पाटीदार आदि की उपस्थिति में किया गया।

नीमच जिले में गिद्धों की गणना का कार्य संपन्न

नीमच जिले में 507 गिद्ध पाए गए

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में गिद्धों की संख्या और उनकी स्थिति का आंकलन करने के सर्वेक्षण में नीमच जिले में 3 दिवसीय शीतकालीन गिद्ध गणना 20, 21, और 22 फरवरी , 2026 को आयोजित की गई।

वन मंडलाधिकारी नीमच श्री एस के अटोदे के मार्गदर्शन और एस डी ओ फॉरेस्ट श्री दशरथ अखंड के नेतृत्व में वन विभाग द्वारा गिद्धों की गणना की गई। पहली बार गणना ऐप के माध्यम से दर्ज की गई। उपवन मंडल अधिकारी श्री दशरथ अखंड ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि मृत पशुओं का मांस खाने वाले प्राकृतिक सफाईकर्मी गिद्धों की संख्या पशुपालकों द्वारा दर्द निवारक दवा डिक्लोफेनेक के उपयोग के कारण विलुप्ति की कगार पर आ गई थी। वन विभाग के लगातार संरक्षण प्रयासों से प्रति वर्ष इनकी संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। नीमच, मनासा, रामपुरा, जावद और रतनगढ़ वन रेंज तथा जिले की राजस्व भाग में की गई इस गणना में 507 . गिद्ध पाए गए। इसमें मध्य प्रदेश में पाए जाने वाली कुल 7 प्रजातियों में से 3 प्रजाति सफेद इजिप्टियन गिद्ध, सफेद पीठ वाले व्हाइट रैम्पड वल्चर, और इंडियन लॉन्ग बिल्ड वल्चर प्रजातियों को जमीन व पेड़ पर या घोंसलों में बैठे वयस्क, अवयस्क गिद्धों की प्रजातिवार संख्या, उनके आवास,पेड़ो आर विश्राम करते हुए, घोंसलों में शिशुओं के साथ , भोजन करते हुए, नदी नाले के पास पानी में देखे गए गिद्धों की गणना ऐप में दर्ज की गई। गणना के दौरान सख्ती से इस बात का पालन किया गया कि केवल पेड़ों/चट्टानों पर बैठे गिद्धों को गिना जाए. उड़ते हुए गिद्धों को गिनती में शामिल नहीं किया जाता. सूर्योदय से 9 बजे तक चले इस गणना कार्य में वन परिक्षेत्र रतनगढ़ , जावद के रेंजर श्री विपुल , रामपुरा के रेंजर श्री भानुप्रतापसिंह सोलंकी , सभी डिप्टी रेंजर्स व अन्य स्टाफ सहित जिले के वॉलिंटियर्स सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापक, प्राणिशास्त्र डॉ साधना सेवक के साथ नीमच के विशेषज्ञ एवं छात्र निकिता यादव, अनमोल यादव, इंदरजीत सिंह , प्रिंस शर्मा, हर्षल चौहान,अंजली शर्मा, भाग्यश्री पंवार मल्हारगढ़ के अक्षय यति, नीमच के इन्फ्लूएंसर विवेक शर्मा, साथ ही रामपुरा के प्राध्यापक डॉ लखन सिंह यादव, डॉ सुषमा सोलंकी , छात्र प्रहलाद भील, विकास मेघवाल, अभिषेक भट्ट ने सक्रिय सहभागिता की।

वन विभाग के इस कार्य में वॉलिंटियर्स की सक्रिय सहभागिता से आम जनमानस में इस पक्षी के संरक्षण के प्रति जानकारी , जिज्ञासा और जागरुकता बढ़ी है।

भाजपा ने भेसरोड मंडल अध्यक्ष श्री जैन का जन्म दिवस मनाया

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भेस रोड गढ़ मंडल के लोकप्रिय मंडल अध्यक्ष सुनील कुमारजी जैन का जन्मदिन भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं द्वारा माल साफा तिलक और केक काट करके पार्टी का उपरना पहनाकर मनाया गया भेस रोड गढ़ मंडल के तंबोलिया गांव में नायरा पेट्रोल पंप पर आयोजित इस कार्यक्रम में मंडल क्षेत्र के सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे सभी कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार जी जैन की लंबी उम्र की कामना की इस अवसर पर भाजपा भेस रोड गढ़ मंडल महामंत्री लाभचंद राठौर रामलाल भील पूर्व कृषि उपज मंडी उपाध्यक्ष ओम राठौड़ भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सुरेश कुमार लबाना मनोज कुमार मेवाड़ा भाजपा मंडल प्रतिनिधि मनीष कुमार गांधी भाजपा युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री धर्मेंद्र पुरी भाजपा के बूथ अध्यक्ष प्रकाश धाकड़ ओमप्रकाश सेन हिम्मत सिंह जी दिनेश राठौर सत्तू राठौड़ प्रकाश जी गुर्जर जगदीश गुर्जर सीताराम गुर्जर भेरूलाल पुरी परमेश धाकड़ प्रकाश मेवाड़ा मांगीलाल धाकड़ अमरचंद कंजर सुरेंद्र कंजर शुभम लबाना प्रकाश भील सुनील मेवाडा जीवन धाकड़ गणेश राठौड़ रघुपुरी राहुल जैन किशन राठौड़ सहित भेस रोड गढ़ मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

जगमगाते महानगरों के भीतर पनपती खामोश महामारी

पहले शहरों को उम्मीदों की फैक्ट्री कहा जाता था। यहाँ रोशनी कभी बुझती नहीं, सपने थकते नहीं और भीड़ ठहरती नहीं। फिर भी इस अनवरत चहल-पहल के बीच एक गहरी खामोशी जन्म ले रही है। 1.4 अरब लोगों के देश में, जहाँ हर प्लेटफॉर्म, हर चौराहा, हर बाज़ार भीड़ से अटा है, वहीं दिलों के भीतर सूनापन फैलता जा रहा है। ऊँची इमारतों की जगमगाती खिड़कियाँ बताती हैं कि लोग मौजूद हैं, पर मौजूदगी और अपनापन अलग बातें हैं। शहरों ने हमें कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा किया, मगर दिलों के बीच फासले बढ़ा दिए। यही फासला अब महामारी की तरह फैल रहा है। सर्वे बताते हैं कि 61 प्रतिशत भारतीय अकेलापन महसूस करते हैं, और युवाओं में यह दर सबसे अधिक है।

अकेलापन अब केवल निजी कमजोरी नहीं, हमारी सामाजिक बनावट की दरार है। महानगरों की दौड़ ऐसी है कि रिश्ते रास्ते में छूट जाते हैं। सुबह की सिटी बस या मेट्रो में सैकड़ों चेहरे साथ चलते हैं, पर कोई नज़र किसी पर ठहरती नहीं। सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर्स जुड़ते हैं, पर कठिन समय में सहारा देने वाला हाथ नहीं मिलता। डिजिटल जुड़ाव ने संवाद का आभास रचा, मगर उसकी संवेदना छीन ली। इमोजी हँसते हैं, पर असली मुस्कान की गर्माहट गायब है। यह बनावटी निकटता भीतर के शून्य को और गहरा करती है–मानो भीड़ के बीच खड़ा व्यक्ति अपने ही अस्तित्व से दूर हो गया हो।

आज का शहर प्रतिस्पर्धा की प्रयोगशाला बन गया है, जहाँ हर व्यक्ति खुद को साबित करने की दौड़ में सांस ले रहा है। नौकरी की अस्थिरता, बढ़ती महँगाई, किराए का बोझ और करियर की अनिश्चितता मन पर अदृश्य दबाव बनाते हैं। आर्थिक सुरक्षा की खोज में लोग भावनात्मक सहारे से समझौता कर बैठते हैं। रिश्ते समय चाहते हैं, और समय सबसे महँगी पूँजी हो चुका है। परिवार सिमटते गए, पड़ोसी अपरिचित होते गए, दोस्तियाँ औपचारिकताओं में बदलती गईं। नतीजा यह कि इंसान सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता रहा, पर भीतर की सीढ़ियाँ दरकती रहीं। उपलब्धियों के शोर में दिल की धीमी आवाज़ कहीं खोती चली गई।

भारत जैसे देश में, जहाँ सामूहिकता परंपरा की पहचान रही है, वहाँ भी यह बदलाव साफ दिखता है। कभी आँगन में दादी की कहानियाँ गूँजती थीं, मोहल्ले की चौपालें सजती थीं और त्योहार मिलन का बहाना बनते थे। अब त्योहार इंस्टाग्राम स्टोरी बन गए हैं, परिवार व्हाट्सऐप ग्रुप तक सिमट गया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल जीवनशैली ने ले ली है। स्वतंत्रता तो बढ़ी है, पर सहारा कम हो गया है। आधुनिकता ने विकल्पों की भरमार दी, मगर उसी ने स्थायित्व छीन लिया। बदलते सामाजिक ढाँचे में व्यक्ति स्वायत्त तो हुआ, पर भीतर से और अधिक अकेला। यही विरोधाभास शहरों की गहरी त्रासदी बन चुका है।

रोज़गार और बेहतर भविष्य की तलाश में लाखों लोग अपने कस्बों और गाँवों से दूर आ बसे हैं। इस बदलाव ने अवसर तो दिए, पर पहचान की मिट्टी छीन ली। नए शहर में सब कुछ नया होता है–भाषा की लय, व्यवहार की शैली, जीवन की रफ्तार। व्यक्ति रोज़ाना अनुकूलन करता है, पर भीतर कहीं जड़ों की तलाश बनी रहती है। त्योहारों पर घर न पहुँच पाने की कसक, अपनों की आवाज़ से दूरी और साझा स्मृतियों का अभाव मन को अनकहा बोझ दे जाता है। नए संबंध बनते हैं, पर पुराने जैसा सहज भरोसा नहीं पनपता। यह विस्थापन बाहर से उपलब्धि लगता है, भीतर से रिक्तता का कारण बन जाता है। मानसिक स्वास्थ्य के आँकड़े इस सच को और तीखा कर देते हैं। अवसाद, चिंता और अनिद्रा की समस्याएँ तेज़ी से फैल रही हैं। विडंबना यह कि भीड़ से भरे शहरों में भी लोग अपनी पीड़ा चुपचाप ढोते हैं; मदद माँगना अब भी कमजोरी माना जाता है। सफलता की चमक के पीछे संघर्ष की छाया दिखती नहीं। कॉर्पोरेट दफ्तरों की जगमग इमारतों में बैठे अनेक लोग भीतर से दरके होते हैं। वे पेशेवर मुस्कान ओढ़े रहते हैं, पर निजी जीवन में संवाद का अभाव झेलते हैं। समाज ने उपलब्धियों को सराहा, पर भावनात्मक संतुलन को अनदेखा किया। यही असंतुलन अब धीमे-धीमे महामारी का रूप ले चुका है। शहरों की बनावट भी इस अकेलेपन को गहरा करती है। गेटेड सोसायटी सुरक्षा तो देती है, पर ऊँची दीवारें संवाद के रास्ते बंद कर देती हैं। पड़ोसी वर्षों तक एक-दूसरे का नाम तक नहीं जानते। पार्कों में लोग साथ-साथ चलते हैं, पर अपनी-अपनी दुनिया में गुम रहते हैं। सार्वजनिक स्थल सिमट रहे हैं, और निजी स्क्रीन फैलती जा रही हैं। बच्चे मैदानों से ज्यादा मोबाइल पर समय बिताते हैं। बुजुर्ग अपार्टमेंट की बालकनी से नीचे झाँकते हैं, पर बातचीत का अवसर दुर्लभ है। भौतिक विकास ने सुविधाएँ बढ़ाईं, पर मानवीय स्पर्श घटा दिया। यही स्पर्शहीनता दिलों को भीतर से बंजर बना रही है। फिर भी इस अँधेरे में आशा की लौ टिमटिमा रही है। कई शहरों में सामुदायिक पहलें जन्म ले रही हैं, जहाँ लोग पुस्तक क्लबों, कला कार्यशालाओं और सामाजिक समूहों के जरिये फिर से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद शुरू हुआ है।

सहजयोग से पाएं दैहिक, दैविक, भौतिक संतापों से मुक्ति

भारतीय दर्शनशास्त्र समूचे विश्व में आध्यात्मिक ज्ञान के लिये -प्रसिद्ध है। प्राचीन काल से अनेक देशों के विद्वान भारत में पहुँचे और इस योग भूमि में आकर उन्होंने अध्यात्मिकता की जड़ें खोज निकाली। उस अध्यात्मिकता का सार है आत्मतत्व। हम सभी एक ही चेतनतत्व से बने हैं। परम-पूज्य श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग हमें हमारे चेतनतत्व से ,आत्मतत्व से, ही परिचित कराता है। सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त साधक इस ज्ञान को अपने मज्जा तंतू पर जानता है। प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं, आत्मानुभूति एक सुंदर अवस्था है। जब आपको आत्मबोध हो जाता है, तो आपका पूरा तन, मन, सबकुछ एकीकृत हो जाता है और इसके बाद आप जो कुछ भी करते है, वह आनंद प्रवाहित करता है। इसलिये जब आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति लिखता है तो वह चैतन्यरूपी आनंद उसकी लेखनी में आता है, मूर्ति बनाता है तो वह मूर्ति चैतन्यित हो जाती है,अगर वह बीज बोता है तो है उसकी खेती की सारी फसल चैतन्य से आंदोलित होती हैं । अब यह सब बहुत विलक्षण है। यह एक मात्र चीज है, जिसे आपको हासिल करना है, बेकार के चमत्कारों की ओर आकर्षित न हों। अपने आत्मा के चमत्कारों को माँगे । जब आत्मा की अभिव्यक्ति होती है तब आप आश्चर्यचकित हो जायेंगे कि आप कितना सुंदर महसूस करते हैं, और कितनी सुंदरता से आप इसे कार्यान्वित करते हैं। हमारे सारे उपनिषद् इस आत्म तत्व का ही चितंन और मनन करते हैं। इसे सहजयोग ध्यान की अनुभूति से जाना जा सकता है। उपनिषद्कार कहते हैं, %सर्वे भवन्तु सुखिनः% अर्थात, इस पृथ्वीतल पर विराजमान सभी मानव सुखी, निरामय और आनंदपूर्ण बनें। उनके तीनों तापों की अर्थात, अधिदैविक ,अध्यात्मिक और अधिभौतिक तापों की निवृत्ति हो जाये ,और वे दुःख के भागीदार न बने। सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब वह साधक आदिशक्ति स्वरुपिणी माँ कुंडलिनी के प्रकाश में अपने आपको जानने लगता है। नियमित ध्यान से यह शक्ति उसके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पीड़ा का शमन करती है। आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति को सभी प्रकार की आपदाओं से भी बचाया जाता है, दिनों-दिन उसका चित्त आत्मसाक्षात्कार के आनंद मे तल्लीन होकर वह बहुत गुणात्मक और उच्च कोटि का आध्यात्मक जीवन व्यतीत करता है। आपको भी अगर इस आनंद का एक भाग बनना है ,तो आज ही सीखें सहजयोग ध्यान ।

विज्ञान पर अटल, भारत में पनप रही नई वैज्ञानिक चेतना

भारत के किसी बड़े शहर की चकाचौंध से दूर, ओड़िशा या छत्तीसगढ़ के किसी ऐसे जिले में जहां मोबाइल के सिग्नल भी मुश्किल से पहुंचते हैं, वहां एक 14 साल का बच्चा एक पुराने कार्डबोर्ड, कुछ तारों और एक सस्ते सेंसर के साथ बैठा है। वह कोई खिलौना नहीं बना रहा। वह एक ऐसी मशीन तैयार कर रहा है जो मिट्टी में नाइट्रोजन की कमी होने पर उसके पिता के मोबाइल पर मैसेज भेज सके। जेन जी के शोर और जेनरेटिव एआई की चकाचौंध के बीच यह आज के भारत की वह तस्वीर है जिसे मुख्यधारा का मीडिया अक्सर कुछ कम तवज्जो देता है।

यह तस्वीर है बच्चों में विज्ञान चेतना को समर्पित अटल इनोवेशन मिशन की, जो देश के कोने-कोने में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब्स के जरिये एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहा है, जो विज्ञान को रटती नहीं, उसे जीती है। 10 सालों की यह कहानी केवल मशीनों की नहीं है; यह कहानी है उस आत्मविश्वास की, जिसने भारत को 'जुगाड़' के देश से 'इनोवेशन' के ग्लोबल हब की ओर मोड़ दिया है। विज्ञान शिक्षण का नया व्याकरण- औसत विद्यार्थियों के लिए भारत में विज्ञान शिक्षण एक बोरियत भरा बोझ रहा है। कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड पर 'प्रकाश के परावर्तन' या 'ओम के नियम' के चित्र तो बनते थे, लेकिन साधारण मेधा वाले छात्रों को यह समझ नहीं आता था कि ये उनकी निजी जिंदगी में क्या बदलाव लाएंगे। 'विज्ञान आओ करके सीखें' जैसी पाठ्यक्रम पुस्तकें और 'आविष्कार' जैसी पत्रिकाएं कुछ रुचि जगाती भी थीं, मगर प्रैक्टिकल के पीरियड्स को छोड़कर प्रयोगशाला में प्रवेश लगभग वर्जित था।

हाईस्कूल में पहली बार नसीब होने वाली प्रयोगशालाएं भी ऐसी, जहां उपकरणों की उपलब्धता पाठ्यक्रम से एक इंच टस से मस होने को तैयार नहीं; नतीजतन अरुचि से भरे कई विद्यार्थियों का जोर सीखने पर नहीं, किसी सहृदय प्रयोगशाला सहायक की कृपा से प्रैक्टिकल में नंबर जुगाड़ने पर होता था। ऐसे में कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद कई विद्यार्थी वाणिज्य अथवा कला संकाय में प्रवेश ले लेते थे, इनमें भी लड़कियों की संख्या बहुत होती थी।

मगर अटल टिंकरिंग लैब ने इस पूरी व्यवस्था में दिलचस्प परिवर्तन किए है। अब कक्षा छह से ही यहां 'खुद करके देखो' की संस्कृति है। संप्रति भारत भर के स्कूलों में फैली इन 10 हजार से अधिक लैब्स में जब कोई बच्चा खुद थ्री-डी प्रिंटर को कमांड देता है या रोबोटिक्स किट को असेंबल करता है, तो उसके भीतर विज्ञान को लेकर झिझक दीवानगी भरी दिलचस्पी में बदलने लगती है। विज्ञान किताबों के पन्नों से निकलकर उसके हाथों की हथेलियों पर नाचने लगता है।

यहां बच्चे विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के सिद्धांतों को किताबों से नहीं, बल्कि प्रयोग करके सीखते हैं। उपकरणों से काम करते हुए वे जिज्ञासा, समस्या-समाधान और रचनात्मकता को विकसित करते हैं। प्रोजेक्ट बनाते हुए टीमवर्क और उद्यमिता की भावना भी विकसित होती है। यही बदलाव छात्रों को रटने से खोज की ओर लेकर जाता है और यही विज्ञान की असली ताकत है!

डीप टेक का बढ़ता दायरा- जिन पाठकों ने इस सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित एआई इंपैक्ट समिट पर नजर रखी होगी, वे समझ रहे होंगे कि भारत की स्थिति आज डीप टेक में वैसी ही है जैसी बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक में साफ्टवेयर के क्षेत्र में थी–हम एक बड़े धमाके के मुहाने पर खड़े हैं। आज हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ब्लॉकचेन की बात करते हैं। आम आदमी के लिए ये शब्द अजनबी हो सकते हैं, लेकिन भारत की नवांकुर विज्ञानी मेधा के लिए ये रोजमर्रा के औजार हैं। डीप टेक का सरल अर्थ है ऐसी तकनीक जो गहन वैज्ञानिक शोध पर आधारित हो।

भारत आज अंतरिक्ष से लेकर रक्षा तक में डीप टेक का लोहा मनवा रहा है। जबकि पृष्ठभूमि में एटीएल जैसी इनोवेटिव प्रयोगशालाओं, इसरो के प्रोजेक्ट युविका और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग संचालित इंस्पायर-मानक जैसे कार्यक्रमों से इसकी नींव रखी जा रही है। वास्तव में जब एक छठी कक्षा का बच्चा यह समझता है कि सेंसर कैसे काम करता है और नवीं कक्षा के बच्चे वर्किंग सैटेलाइट माडल बनाते हैं, तो भविष्य के लिए ऐसे डाटा साइंटिस्ट, एआई या स्पेस इंजीनियर तैयार हो रहे होते हैं जो विदेशी ज्ञान पर नहीं, विज्ञान के सहजबोध पर निर्भर होते हैं।

विज्ञान उद्यमिता की चमक- नई पीढ़ी की विज्ञान में बढ़ती रुचि और परिणामस्वरूप इसकी तरफ बढ़ते रुझान का सबसे क्रांतिकारी पहलू है–विज्ञान उद्यमिता। इसी मंगलवार को मुंबई में भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि अटल इनोवेशन मिशन 100 से अधिक इन्क्यूबेटर और डीप-टेक स्टार्टअप्स की बढ़ती हुई पाइपलाइन को जोड़ता है। उन्होंने अटल टिंकरिंग लैब्स को स्कूली स्तर पर उस प्रारंभिक बिंदु के रूप में बताया, जिसे मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति और स्टार्टअप पूंजी तक पहुंच का समर्थन प्राप्त है। विभिन्न हैकाथान से तराशे हुए विज्ञानी मेधा के यह हीरे केवल प्रोजेक्ट नहीं बना रहे, ये भविष्य की यूनिकॉर्न कंपनियों की रूपरेखा लिख रहे हैं। आइडिया से पेटेंट तक का सफर अब आसान हो गया है। नीति आयोग ने ऐसी व्यवस्था की है कि अगर किसी छात्र का आइडिया वाकई दमदार है, तो उसे इनक्यूबेशन सेंटर्स और निवेशकों से जोड़ा जाता है।

वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंकिंग में जो सुधार हुआ है, उसके पीछे इन 10 हजार से अधिक लैब्स का बड़ा हाथ है। दुनिया देख रही है कि भारत के किशोर और युवा अब केवल कोड नहीं लिख रहे, बल्कि हार्डवेयर और डीप टेक में भी हाथ आजमा रहे हैं। इसरो के छोटे उपग्रहों के निर्माण में स्कूली छात्रों की भागीदारी इस बात का सबसे बड़ा सबूत है। तो अगली बार जब आप अपने बच्चे के हाथ में कोई उपकरण देखें, तो उसे प्रेरित करें कि वह यह सोचे कि यह काम कैसे करता है। आखिरकार 2047 में जब हम स्वाधीनता का शताब्दी समारोह मनाएंगे, तब यह पीढ़ी ही अपनी विज्ञानी मेधा से धरती से लेकर अंतरिक्ष तक भारत का भाग्य लिख रही होगी!

जहां समस्या ही प्रयोगशाला है- अक्सर बड़े नवाचार एसी कमरों में नहीं, बल्कि तपती धूप और धूल भरे रास्तों पर पैदा होते हैं। ग्रामीण भारत की अपनी विशिष्ट चुनौतियां हैं–खेती, सिंचाई, बिजली और स्वास्थ्य। यूट्यूब पर उदाहरण भरे पड़े हैं कि किस तरह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी बड़ों की दुनिया को संवारने के लिए अपनी विज्ञानी मेधा का प्रयोग कर रहे हैं। उदाहरणस्वरूप शिवपुरी, मध्यप्रदेश के विकास, शिवम और दिनेश ने सेंसर, लाइट और वाइब्रेटर का इस्तेमाल करके सांप को दूर रखने की स्मार्ट छड़ी बनाई है तो वहीं विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश की रेवल्ला अर्चना ट्रेन दुर्घटना रोकने की प्रणाली सीख रही हैं।

प्रयास सामान्य लग सकते हैं, मगर इनके पीछे की भावना असाधारण है। शिवपुरी में दसवीं कक्षा के इन बच्चों ने अपने गांव के किसानों को सांप के काटने से मरते देखा था, तो वहीं एक ट्रेन दुर्घटना ने कक्षा नौ की रेवल्ला के सिर से मां का साया छीन लिया था। आज यह नवाचार छोटे लग सकते हैं, लेकिन यह उस 'डीप टेक' का बुनियादी हिस्सा हैं जो आने वाले समय में लाखों जानें बचाएगा। दरअसल, जिज्ञासु बच्चों के बीच इंटरनेट मीडिया पर तैरते हुए यह नवाचार ओपेन सोर्स प्रोजेक्ट्स की तरह काम करते हैं, जिन्हें वे देखते-समझते और सुधारते हैं।

नवाचार की राह पर- यदि आप एक उत्सुक छात्र हैं तो विज्ञान को इस तरह अपना दोस्त बनाएं। वक्त के साथ दिलचस्पी भी जरूर बढ़ेगी÷

समस्या को समझें÷ अपने आसपास देखें कि क्या परेशान करता है। क्या पानी की बर्बादी रोकनी है? या बुजुर्गों की मदद करनी है?

प्रयोग शुरू करें÷ स्कूल की साइंस लैब में जाकर उन उपकरणों को हाथ लगाएं जिनसे आप डरते हैं। असफल होने से न डरें।

पेटेंट की ताकत÷ यदि आपका समाधान नया है, तो उसे तुरंत रजिस्टर करवाएं। भारत में स्टार्टअप बौद्धिक संपदा संरक्षण योजना (एसआईपीपी) के तहत छात्रों को पेटेंट फाइलिंग में विशेष छूट और कानूनी मदद मिलती है। याद रखिए, आपका एक विचार आपकी और देश की तकदीर बदल सकता है।

-धनंजय राजौरा

शहरी निकायों को रिकॉर्ड फंडिंग, लेकिन संस्थागत सुधार के बिना असर सीमित

सोलहवें वित्त आयोग ने शहरी स्थानीय निकायों या प्रशासनों (यूएलजी) को राजकोषीय आवंटन बढ़ाया है। उसने यूएलजी के समग्र अनुदान में 130 फीसदी इजाफा किया है। पंद्रहवें वित्त आयोग के 1.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर यह राशि 2026 से 31 तक की अवधि के लिए 3.56 लाख करोड़ रुपये कर दी गई है। इसके साथ ही स्थानीय निकायों को दिए जाने वाले अनुदान में यूएलजी की हिस्सेदारी बढ़ाकर रिकॉर्ड 45 फीसदी कर दी गई है जबकि पहले यह 36 फीसदी थी। वित्त आयोग के इतिहास में यह सबसे बड़ी शहरी हिस्सेदारी है और यह दर्शाती है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और उसके आर्थिक योगदान को किस प्रकार मान्यता मिल रही है। इसके अलावा उसने शहरी अनुदान का एक अलग ढांचा पेश किया जिसमें 2.32 लाख करोड़ रुपये का बुनियादी अनुदान, 54,032 करोड़ रुपये का प्रदर्शन अनुदान, 56,100 करोड़ रुपये का विशेष अधोसंरचना अनुदान और 10,000 करोड़ रुपये का शहरीकरण प्रीमियम अनुदान शामिल है। डिजाइन में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव बिना तयशुदा या शर्त वाली निधियों में इजाफा है। इन चार अनुदानों में बिना शर्त घटक करीब 52 फीसदी है जबकि पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत यह केवल 21 फीसदी था। बिना शर्त हस्तांतरण का यह उच्च अनुपात शहरी स्थानीय निकायों को स्थानीय रूप से पहचानी गई प्राथमिकताओं पर खर्च करने का लचीलापन देने के लिए है।

शेष अनुदान स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति और अपशिष्ट जल प्रबंधन जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित हैं। परफॉरमेंस यानी प्रदर्शन अनुदान अच्छे शासन को पुरस्कृत करते हैं जबकि विशेष अधोसंरचना और शहरीकरण का प्रीमियम शहर आधारित अधोसंरचना के अंतर को पाटने में मदद करते हैं और परिणाम आधारित प्रोत्साहन को शामिल करते हैं। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में दूसरे और तीसरी श्रेणी के शहरों के लिए पांच वर्षों में प्रति शहरी आर्थिक क्षेत्र लगभग 5,000 करोड़ रुपये का आवंटन इस बदलाव की पूर्ति कर सकता है, लेकिन केवल तभी जब यह धन सशक्त नगर निकायों के माध्यम से प्रवाहित हो, न कि एक और केंद्रीकृत, योजना-चालित शहरी हस्तक्षेप का हिस्सा बनाकर। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के आधार पर, भारत में 2021-36 अवधि के लिए आवश्यक शहरी पूंजी निवेश सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 1.18 फीसदी वार्षिक होगा। हालांकि, भारत में नगर निकाय राजस्व मुश्किल से जीडीपी का 0.6 फीसदी है, जबकि दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे देशों में यूएलजी स्वयं के स्रोतों से क्रमशः 6 फीसदी और 7.4 फीसदी जीडीपी जुटाते हैं।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

क्या संभावित अमेरिका-ईरान युद्ध वैश्विक युद्ध का आगाज होगा

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्ध की आशंका केवल राजनीतिक बयानबाज़ी तक सीमित नहीं रही है बल्कि उसके पीछे गहरी सामरिक तैयारियाँ और दीर्घकालिक सैन्य रणनीतियाँ भी काम कर रहीं हैं। अब अमेरिका अपनी जंगली लाव- लश्कर के साथ ईरान को चारों तरफ से घेरने की तैयारी में तैनात हो गया है।

अब यदि कभी प्रत्यक्ष युद्ध की स्थिति बनती है, तो यह समझना आवश्यक होगा कि अमेरिका विशिष्ट प्रकार की सैन्य तैयारी और युद्ध क्षमता के साथ मैदान में उतर सकता है, और ऐसी तैयारी किसी क्षेत्रीय संघर्ष को व्यापक वैश्विक टकराव की दिशा में धकेल सकती है। अमेरिका विश्व की सबसे सशक्त सैन्य शक्तियों में शुमार माना जाता है, जिसकी वैश्विक उपस्थिति अनेक महाद्वीपों में फैले सैन्य अड्डों, नौसैनिक बेड़ों और वायुसेना ठिकानों के रूप में दिखाई देती है।

खाड़ी क्षेत्र में उसकी स्थायी और अस्थायी सैन्य तैनाती पहले से मौजूद है, जिसमें विमानवाहक पोत समूह, मिसाइल विध्वंसक जहाज़, पनडुब्बियाँ और उन्नत लड़ाकू विमान शामिल होते हैं। अमेरिकी सामरिक सिद्धांत ÷फोर्स प्रोजेक्शन÷ पर आधारित है, अर्थात वह अपनी सैन्य शक्ति को दूरस्थ क्षेत्रों में तेज़ी से तैनात करने की क्षमता रखता है। अमेरिका की युद्ध तैयारी का एक प्रमुख आयाम उसकी वायु श्रेष्ठता है। अत्याधुनिक स्टील्थ लड़ाकू विमान, लंबी दूरी के बमवर्षक और ड्रोन नेटवर्क उसे शुरुआती चरण में शत्रु के वायु रक्षा तंत्र, संचार नेटवर्क और सामरिक ठिकानों को निष्क्रिय करने की क्षमता प्रदान करते हैं। किसी संभावित युद्ध में अमेरिका पहले चरण में ÷शॉक एंड ऑ÷ जैसी रणनीति अपनाते हुए मिसाइल हमलों और सटीक बमबारी के माध्यम से ईरान की कमांड एंड कंट्रोल संरचना को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। इसके अतिरिक्त उसकी साइबर युद्ध बड़ी ताकत है, जिसके माध्यम से वह शत्रु के विद्युत ग्रिड, बैंकिंग तंत्र और सैन्य संचार प्रणाली को बाधित कर सकता है।नौ-सैनिक दृष्टि से फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि युद्ध छिड़ता है तो अमेरिकी नौसेना समुद्री मार्गों की सुरक्षा और ईरान की नौसैनिक गतिविधियों को नियंत्रित करने पर विशेष ध्यान देगी। विमानवाहक पोत समूह किसी भी तटीय लक्ष्य पर दूर से ही आक्रमण करने में सक्षम होते हैं। साथ ही पनडुब्बियों से दागी जाने वाली क्रूज़ मिसाइलें ईरान के भीतर गहरे स्थित ठिकानों तक पहुंच सकती हैं। अमेरिका की मिसाइल रक्षा प्रणाली और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ समन्वय भी उसकी तैयारी का हिस्सा होता है। अमेरिका की सामरिक तैयारी केवल प्रत्यक्ष युद्ध तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह अपने सहयोगी देशों और सैन्य गठबंधनों के माध्यम से दबाव बनाने की नीति भी अपनाता है। खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी अड्डे, क्षेत्रीय साझेदारों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास, और उन्नत हथियार प्रणालियों की तैनाती एक प्रकार का शक्ति प्रदर्शन भी होते हैं। इसके अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंध और वित्तीय नाकेबंदी भी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा होते हैं, जिनका उद्देश्य शत्रु देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर युद्ध क्षमता को सीमित करना होता है।

हालांकि, यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि ईरान पारंपरिक युद्ध में अमेरिका से कमजोर होते हुए भी असममित युद्ध रणनीति में दक्ष माना जाता है। वह मिसाइलों, ड्रोन, समुद्री माइंस और प्रॉक्सी समूहों के माध्यम से अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी देशों को निशाना बना सकता है। इसलिए अमेरिकी तैयारी में केवल आक्रमण ही नहीं, बल्कि रक्षा और क्षति-नियंत्रण की योजना भी शामिल रहती है।

मध्य पूर्व में तैनात अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति मार्गों की रक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना उसकी प्राथमिकताओं में शामिल होगा। यदि इस संघर्ष में अन्य महाशक्तियाँ अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होती हैं, तो स्थिति और जटिल हो सकती है। रूस और चीन जैसे देश कूटनीतिक या सीमित सामरिक समर्थन के माध्यम से शक्ति संतुलन बनाने का प्रयास कर सकते हैं। वहीं इज़राइल अपनी सुरक्षा चिंताओं के कारण सक्रिय भूमिका निभा सकता है। ऐसी स्थिति में युद्ध क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर प्रभाव डाल सकता है, विशेषकर ऊर्जा बाज़ार और वैश्विक व्यापार पर। नअमेरिका की सामरिक तैयारी का एक महत्वपूर्ण पहलू उसकी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता भी है, यद्यपि परमाणु हथियारों का उपयोग अंतिम विकल्प माना जाता है। परमाणु त्रिस्तरीय प्रणाली भूमि आधारित मिसाइलें, पनडुब्बी से प्रक्षेपित मिसाइलें और रणनीतिक बमवर्षक उसे व्यापक प्रतिरोधक शक्ति प्रदान करती हैं। यही कारण है कि पूर्ण विश्व युद्ध की संभावना अपेक्षाकृत कम मानी जाती है, क्योंकि परमाणु शक्ति संतुलन बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष टकराव को रोकने में भूमिका निभाता है। अमेरिका की युद्ध तैयारी बहुआयामी, तकनीकी रूप से उन्नत और वैश्विक नेटवर्क पर आधारित है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध होता है तो प्रारंभिक चरण में अमेरिका अपनी वायु, नौसैनिक और साइबर क्षमता का व्यापक उपयोग कर सामरिक बढ़त लेने का प्रयास करेगा। किंतु यह संघर्ष विश्व युद्ध में तब्दील होगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अन्य महाशक्तियाँ किस हद तक प्रत्यक्ष रूप से शामिल होती हैं और कूटनीतिक प्रयास कितने सफल रहते हैं। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में प्रत्यक्ष विश्व युद्ध सभी के लिए विनाशकारी होगा, इसलिए संभावना अधिक यही है कि सामरिक तैयारी के बावजूद बड़े देश पूर्ण युद्ध से बचने का प्रयास करेंगे और संघर्ष को सीमित दायरे में रखने की रणनीति अपनाएँगे। वैश्विक स्तर पर यह लगातार प्रयास किया जा रहे हैं कि अमेरिका ईरान युद्ध जो बाद में वैश्विक युद्ध में परिवर्तित हो सकता है,को न होने दिया जाए अन्यथा प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध की तरह अमेरिका तीसरे विश्व युद्ध का निर्णायक देश फिर साबित होगा जो पूरे वैश्विक देश के लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो सकता है।

-संजीव ठाकुर

IBC में पारदर्शिता बढ़ाने की पहल, CoC के कामकाज में सुधार से घटेगी देरी?

आधुनिक और गतिशील बाजार अर्थव्यवस्था में परिणामों को बेहतर बनाने के लिए कानूनों और विनियमों का नियमित रूप से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। संभव है कि बाजार संबंधी बदलती परिस्थितियां समायोजन की मांग करें, या कार्यान्वयन का अनुभव स्वयं विनियमन में खामियों को उजागर कर दे। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (आईबीसी), 2016 का कार्यान्वयन हाल के वर्षों में सबसे बड़े सुधारों में से एक माना जाता है।

यह उल्लेखनीय है कि सरकार और नियामक, भारतीय ऋणशोधन अक्षमता और दिवालिया बोर्ड (आईबीबीआई), ने वर्षों से दिवालियापन ढांचे को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया है। इसी संदर्भ में, आईबीबीआई ने इस सप्ताह ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के कामकाज के विभिन्न पहलुओं पर एक चर्चा पत्र प्रकाशित किया है, जिसका व्यापक उद्देश्य प्रक्रियात्मक स्पष्टता में सुधार करना है। इन प्रस्तावों का कार्यान्वयन पारदर्शिता को बढ़ाएगा और समाधान प्रक्रिया में टकराव को कम करेगा। जैसा कि परिचर्चा पत्र में उल्लेख किया गया है, सीओसी की बैठकों के अभिलेखों की गहराई और विवरण में काफी भिन्नता है, और विचार-विमर्श अभिलेखों में समुचित रूप से परिलक्षित नहीं होते। वाणिज्यिक निर्णयों का आधार हमेशा स्पष्ट नहीं होता। इससे बाद के चरणों में मुकदमेबाजी और देरी हो सकती है।

-स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

अवसर के साथ चुनौती भी है एआई, भारत से दुनिया को उम्मीद

दिल्ली में संपन्न एआई इंपैक्ट समिट ने जिस तरह दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया, उससे इस सम्मेलन की महत्ता रेखांकित होती है। एआई पर अब तक हुए तीन वैश्विक सम्मेलनों की तुलना में इस सम्मेलन में जिस तरह एआई कंपनियों के दिग्गजों, शासनाध्यक्षों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ अन्य लोगों की कहीं अधिक भागीदारी रही, उससे भी यह सम्मेलन उपयोगी सिद्ध हुआ। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इस संबोधन से एआई तकनीक के उपयोग को लेकर एक नई दिशा देने की कोशिश की कि एआई को मशीन से मानव केंद्रित बनाने के साथ उसे जवाबदेह, सुरक्षित, लोकतांत्रिक और समावेशी रूप देना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई को लेकर भारत की प्राथमिकता रेखांकित करने के साथ ही विश्व समुदाय को एक विजन भी दिया, जिसे उन्होंने एमएएनएवी यानी ÷मानव÷ की संज्ञा दी। उन्होंने इसे परिभाषित करते हुए बताया कि एम यानी मारल एंड एथिकल, ए यानी एकाउंटेबल, एन यानी नेशनल सावरनिटी, ए अर्थात एक्सेसिबल एंड इंक्लूसिव और वी यानी वैलिड एंड लेजिटिमेट। इसका आशय है कि एआई नैतिक, जवाबदेह होने के साथ, जिसका डाटा उसके अधिकार को सुनिश्चित करने के साथ ही सबकी पहुंच में हो और वैध एवं प्रामाणिक भी हो।

चूंकि भारत एआई में भविष्य देख रहा है, इसलिए भारत सरकार एआई पर निवेश को प्रोत्साहित कर रही है और इस कोशिश में है कि दुनिया भर की एआई कंपनियां भारत के साथ मिलकर काम करें। इस एआई सम्मेलन ने स्पष्ट किया कि भारत की तकनीकी क्षमता से दिग्गज एआई कंपनियां प्रभावित हैं। उन्हें भारत अपने लिए एक बड़ा बाजार भी दिख रहा है और मानव संसाधनों का स्रोत भी। अमेरिका के बाद चैटजीपीटी के सबसे अधिक उपभोक्ता भारत में हैं। इसे छात्रों से लेकर उद्योग जगत के लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत में चैटजीपीटी के साथ अन्य एआई टूल के उपयोगकर्ता तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि सरकार भी एआई टूल्स के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। उसकी कोशिश है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग जगत के साथ शासन-प्रशासन और अन्य अनेक क्षेत्रों में भी एआई का इस्तेमाल हो।

यह अच्छा है कि भारत एआई की महत्ता को समझ रहा है। इस बजट में घोषणा की गई है कि सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सेवा क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा के लिए एक समिति गठन करेगी। इसके अलावा बजट में वित्त मंत्री ने 'भारत विस्तार' नाम से एक नई पहल का एलान किया, जो किसानों के लिए एआई आधारित बहुभाषी सिस्टम होगा। बजट से पहले पेश आर्थिक समीक्षा में भी एआई को एक आर्थिक रणनीति के रूप में देखा गया। यह स्पष्ट है कि जैसे इंटरनेट के उपयोग में भारत अग्रणी देशों में है, वैसे ही शीघ्र ही एआई के इस्तेमाल में भी आगे होगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि अधिकांश एआई कंपनियां अमेरिकी हैं और वे भारत में वर्चस्व बढ़ा रही हैं। इस कारण यह सवाल उभर रहा है कि ये अमेरिकी कंपनियां भारतीय डाटा का उपयोग करके अपने एआई माड्यूल को सुदृढ़ करने के क्रम में अपने आर्थिक लाभ में भारत को हिस्सेदार बनाएंगी या नहीं और यदि बनाएंगी तो किस तरह? क्या भारतीयों का डाटा भारत में रहेगा और वह उसके अधिकार क्षेत्र में होगा?

इस समय विश्व भर में जैसी तेजी के साथ एआई कंपनियों में निवेश हो रहा है, वैसी तेजी किसी अन्य सेक्टर में नहीं दिख रही। कुछ विशेषज्ञों की मानें तो एआई कंपनियां अपने एकाधिकार को बढ़ा रही हैं। इसी एकाधिकार के कारण उनके स्टाक बढ़ते जा रहे हैं और उनमें निवेश भी बढ़ रहा है। अमेरिकी कंपनियों की कुछ हद तक काट चीन की एआई कंपनियां कर रही हैं, पर अभी उनका वैसा दबदबा नहीं, जैसा गूगल, ओपनएआई, मेटा आदि का है। फिलहाल एआई तकनीक के विकास में यूरोप के साथ विश्व के अन्य देश पीछे नजर आ रहे हैं। भारत एआई क्षेत्र की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनने की तैयारी कर रहा है, लेकिन बात तब बनेगी, जब भारतीय एआई कंपनियां अमेरिकी कंपनियों के समकक्ष खड़ी हो सकें। उन्हें अमेरिकी कंपनियों पर निर्भरता से बचना होगा और अपनी अलग पहचान बनानी होगी। एआई सम्मेलन के दौरान जिस तरह एक निजी यूनिवर्सिटी ने चीनी एआई उपकरण को अपनी खोज बताकर पेश किया, उससे भारत असहज हुआ। भारत सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि एआई तकनीक के विकास के नाम पर विदेशी एआई टूल की नकल न होने पाए। हम विदेशी तकनीक और उपकरणों की नकल करके आगे नहीं बढ़ सकते। इसे उद्योग जगत को भी समझना होगा और शिक्षा संस्थानों को भी। भारत में युवा एआई का उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन वे इससे अनजान से हैं कि यह तकनीक कैसे काम करती है? इसी तरह बहुत से लोग नहीं जानते कि इसके दुरुपयोग से कैसे बचा जा सकता है? अभी छात्रों को एआई के बारे में सही ज्ञान देने की भी कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन सकी है। साफ है कि एआई के पठन-पाठन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सरकार के साथ उद्योग जगत को इसके प्रति भी सावधान रहना होगा कि ऐसी स्थिति न आने पाए कि एआई आधारित नई नौकरियां सृजित होने के पहले परंपरागत नौकरियों पर कोई बड़ा संकट आ जाए। एआई सम्मेलन में भारत ने एआई के दुरुपयोग को रोकने पर खासा जोर दिया, जिससे अन्य देशों ने सहमति जताई और इसका प्रमाण वह घोषणापत्र है, जिसमें 86 देशों ने हस्ताक्षर किए, लेकिन एआई का दुरुपयोग रोकने की अभी कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन सकी है। अभी यह भी नहीं कहा जा सकता कि जिस घोषणापत्र पर 86 देशों ने सहमति जताई, उस पर सही तरह अमल हो सकेगा।

-सुनील कुमार महला

दो सप्ताह बाद भी नहीं लगा पुलिस के हाथ सुराग

ग्रामीणों की सक्रियता से टली थी वारदात, मौके से मिला था चोरी गया तेल व शाजापुर निवासी की कार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई थानांतर्गत ग्राम खरसौदा स्थित ट्रांसफार्मर से चोरी का प्रयास करने वाले बदमाश तेल और कार छोड़ भागे थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। जिसमें कार शाजापुर निवासी की निकली थी जिसके खिलाफ पहले से ही डीजल व ऑईल चोरी के मामले पहले से दर्ज हैं। लेकिन अब तक न तो पुलिस उस तक पहुंच पाई है और न ही वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े हैं।

घटना 7 फरवरी की रात की है। जब ग्राम खरसौदा में ट्रांसफार्मर से तेल चोरी का प्रयास किया गया था। बदमाशों को ग्रामीणों ने देख लिया, जिसके बाद वे अपनी कार छोड़कर फरार हो गए थे। खरसौदा निवासी तेजसिंह (50) पिता देवीसिंह मेवाड़ा की शिकायत पर पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दौरान बदमाश अपनी जायलो कार (एमपी 09 बीसी 1453) और चोरी किया गया डीपी ऑइल मौके पर छोड़कर भाग गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार से 11 कैन जब्त कीं, जिनमें से चार में ट्रांसफार्मर का तेल भरा था और सात खाली थी।

शाजापुर से जुड़े वारदात के तार, फिर भी पुलिस खाली हाथ- जिस कार को बदमाश छोड़ गए थे। उसकी जब जांच की गई तो पता चला कि यह कार सांवेर निवासी एक व्यक्ति के नाम रजिस्टर्ड है, जिसने इसे शाजापुर में किसी को बेच दिया था। जिसे यह कार बेची गई थी उस पर पहले से ही आइल और डीजल चोरी के कई मामले दर्ज हैं। इतना खुलासा होने के बाद उम्मीद थी कि बदमाश जल्द ही पुलिस गिरफ्त में होंगे। लेकिन आज तक यह मामला अनसुलझा है। सूत्रों के अनुसार शाजापुर के ही तेल चोर इस वारदात में शामिल हैं और पुलिस के हाथ कुछ सुराग भी लगे हैं। लेकिन अभी तक किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है और अब 15 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

इनका कहना है- पुलिस लगातार दबिश दे रही है, लेकिन आरोपियों के घरों पर ताला लगा है और वे मोबाइल का उपयोग नहीं कर रहे हैं। साइबर सेल की मदद से जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

- जनक सिंह रावत,
थाना प्रभारी- सलसलाई

राजस्व मंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री ने सीहोर में किया राजा भोज की प्रतिमा का अनावरण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा तथा उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने सीहोर में परमार समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज केवल एक पराक्रमी राजा ही नहीं बल्कि ज्ञान, संस्कृति, न्याय और सुशासन के प्रतीक थे। उन्होंने अपने शासनकाल में शिक्षा, साहित्य, जल प्रबंधन, वास्तुकला तथा लोककल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए। राजा भोज ने समाज को यह संदेश दिया कि सशक्त शासन वही होता है जो जनता के हित, ज्ञान के विस्तार और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए समर्पित हो। उन्होंने कहा कि आज भी राजा भोज की कार्यशैली प्रशासन और जनसेवा के लिए प्रेरणास्त्रोत है। प्रदेश सरकार उनके आदर्शों पर चलते हुए विकास, शिक्षा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने कहा कि सम्राट राजा भोज भारतीय इतिहास के ऐसे महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने शिक्षा और ज्ञान को शासन की आधारशिला बनाया। उन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना कर विद्वत्ता की नई परंपरा स्थापित की तथा गुरुकुल और शिक्षण संस्थानों को संरक्षण देकर ज्ञान की धारा को आगे बढ़ाया। उनके द्वारा रचित प्रमुख ग्रंथो में युक्तिकल्पतरू और संमृांगढ़सूत्रधार प्रमुख हैं। राजा भोज केवल आध्यात्मिक चेतना के केंद्र नही थे, बल्कि टेक्नोलॉजी निर्माण के क्षेत्र में भी उनका बड़ा योगदान है।

डेयरी उद्योग के माध्यम से निखिल ने आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ अन्य युवाओं को भी उपलब्ध कराया रोजगार

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुपालन के माध्यम से रोजगार से जुड़ने वाले युवाओं को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार सरकार द्वारा हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। ऐसे युवाओं को बैंक के माध्यम से ऋष्टा उपलब्ध कराने के साथ-साथ शासन का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत अनेक युवकों ने पशुपालन से जुड़कर न केवल अपने आपको आत्मनिर्भर बनाया बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य कर दिखाया है। सहीं समय पर मदद और दिशा मिल जाए तो व्यक्ति अपनी सपनों की मंजिल पा सकता है। ऐसा ही हुआ निखिल श्रीवास्तव के साथ। निखिल कि पिता खेती करते थे और घर में दो तीन पालतू पशु थे। जिससे 40 से 50 हजार रूपये कमाई होती थी। निखिल भी प्राइवेट जॉब करते थे, निखिल की इच्छा थी कि उनका खुद का डेयरी प्लांट हो, चूंकि घर में इतने पैसे नहीं थे कि वह डेयरी प्लांट लगा सके। ऐसे में उन्हें पीएमएफएमई (प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना) योजना की जानकारी मिले, इस योजना से उन्हें 10 लाख रूपये का लोन मिला। इस लोन से उन्होंने खुद का डेयरी प्लांट लगाया साथ ही 11 अन्य लोगों को रोजगार भी दिया है, जो कि उनके यहां कार्य करते हैं। अब उनकी कमाई बढकर 2 लाख रूपये हो गई है। निखिल श्रीवास्तव बताते हैं कि उनके पिता का नाम चांदविहारी श्रीवास्तव हैं जो कि ग्राम जमाहर में निवास करते हैं। गांव में ही उनकी पैतक जमीन है जिस पर पारंपरिक खेती होती है। उनके घर पर दो तीन पालतू पशु थे, जिनका दूध वह मार्केट में ग्रामीणों की मदद से बेचते थे।

पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ की बैठक में टोंकखुर्द तहसील का गठन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 22 फरवरी रविवार को टोंकखुर्द तहसील इकाई की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ के संस्थापक संरक्षक एम एल मालवीय देवड़ा के मार्गदर्शन एवं जिला अध्यक्ष पण्डित देवीशंकर तिवारी की अध्यक्षता, देवास तहसील अध्यक्ष अनिल कुमार नागर की उपस्थिति में टोंकखुर्द तहसील इकाई की बैठक में संघ का गठन किया गया। जिला सचिव अरविंद शर्मा ने संचालन करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों की सहमति होने पर बताया कि अध्यक्ष जयरामसिंह मालवीय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष समंदरसिंह मालवीय, उपाध्यक्ष पन्नालाल मालवीय, सचिव गोवर्धनसिंह सोलंकी, सहसचिव दरियावसिंह मालवीय, कोषाध्यक्ष शिवजीराम सूर्यवंशी को बनाया गया। कार्यकारिणी में प्रहलादसिंह गंधावलिया, उमरावसिंह मालवीय, सेवाराम सोलंकी, राजाराम परमार, करणसिंह चौहान, भेरूलाल मालवीय को सदस्य मनोनीत किया गया। नवीन कार्यकारिणी ने गठन के बाद आयोजित बैठक में तय किया गया कि इस वर्ष प्रति सदस्य वार्षिक शुल्क 300 रुपए लिए जायेंगे एवं वर्ष की साधारण सभा सम्मेलन में संगठन के पंजीकृत 75 वर्ष से अधिक आयु के सदस्यों का सम्मान किया जाएगा। मिडिल, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा में तहसील टोंकखुर्द में सर्वाधिक अंक लाने वाले एक एक छात्र को नकद पुरस्कार एवं ट्राफी प्रदान की जायेगी। विशेष रूप से इस बार निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित कर मोतिया बिंद के आपरेशन किये जावेंगे। उनके लाने ले जाने और भोजन की निशुल्क व्यवस्था रहेगी। पेंशनर्स साथियों की समस्याओं के निराकारण हेतु संबंधित विभाग को पत्र लिख करके निराकरण किया जाएगा एवं जिला स्तर पर पेंशन फोरम की बैठक हेतु प्रकरण जिले को भेजे, साथ ही तय किया गया कि निर्धन बस्तियों में जा कर के दिपावली, दशहरा, आदि त्यौहार मनाए जाएंगे। झुग्गी बस्तियों में आवश्यकता अनुसार निशुल्क कपड़े एवं गरम स्वेटर आदि दिए जाएंगे।

योग्यता के आधार पर हो चयन, प्रतिभा से न हो खिलवाड़

काले कानून के विरोध में सड़क पर उतरे हजारों करणी सैनिक व नगरवासी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री राजपूत करणी सेना और सवर्ण समाज ने यूजीएस एक्ट के नए कानून के विरोध तथा इडब्ल्यूएस वर्ग की मांगों को लेकर शाजापुर में प्रदर्शन किया। इस दौरान शहर में एक विशाल पैदल रैली निकाली गई और बाद में सभा कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। करणी सेना ने मांग की कि किसी भी प्रतिभा के साथ खिलवाड़ न हो और योग्यता के आधार पर प्रतिभा के साथ न्याय किया जाए।

रविवार को श्री राजपूत करणी सेना की रैली मां राजराजराजेश्वरी मंदिर से शुरू हुई जो बस स्टैंड परिसर, नई सड़क, आजाद चौक और शहरी हाईवे से होते हुए पुरानी कृषि उपज मंडी टंकी चौराहे पर पहुंची, जहां सभा आयोजित की गई। सभा में वक्ताओं ने कहा कि श्री राजपूत करणी सेना यूजीसी के काले कानून का विरोध करती है। हमारा मानना है कि शिक्षा और नौकरी में चयन का आधार केवल योग्यता होनी चाहिए। किसी भी वर्ग को सिर्फ इसलिए पीछे नहीं छोड़ना चाहिए कि वह सवर्ण परिवार में जन्मा है। हम समानता के समर्थक हैं और आरक्षण का आधार भी जाति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिति होनी चाहिए। ताकि सभी में समानता हो। गरीब चाहे किसी भी वर्ग का हो, उसे सहायता मिलनी चाहिए। करणी सेना युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित है। इसलिए हमारी मांगों को पूरा किया जाकर देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जाए ताकि सुरक्षित और मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया जा सके। इस अवसर पर श्री राजपूत करणी सेना प्रदेशाध्यक्ष श्री राजपूत करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष अनुरागप्रतापसिंह राघव, जिलाध्यक्ष सुरेंद्रसिंह जादौन, शैलेंद्रसिंह पवार, प्रेम सिंह, राजकुमार सिंह, नरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में श्री राजपूत करणी सेना पदाधिकारी, कार्यकर्ता व नगरवासी उपस्थित थे।

ज्ञापन में ये रखी प्रमुख मांगे- नायब तहसीलदार नाहिदा अंजूम को सौंपे गए ज्ञापन में करणी सेना ने मांग की कि अन्य आरक्षित वर्गों की तरह इडब्ल्यूएस वर्ग के लिए भी भूमि एवं आय संबंधित प्रावधानों को लागू किया जाए। अन्य आरक्षित वर्गों की तरह ईडब्ल्यू को जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण सीमा बढ़ाकर 10 से 20 प्रतिशत किया जाए और विद्यार्थियों को भी छात्रवृत्ति एवं शिक्षा सहायता योजना का लाभ दिया जाए तथा राज्य शासन योजनाएं जैसे मेघावी विद्यार्थी योजना, आकांक्षा योजना, प्रस्तुति सहायता योजना आदि में समान रूप से शामिल किया जाए। अन्य आरक्षित वर्गों की तरह इस वर्ग के कल्याण हेतु राज्य स्तरीय ''इडब्ल्यूएस कल्याण बोर्ड'' का गठन किए जाने सहित अन्य मांगों के निराकरण की मांग की गई। करणी सेना ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का जल्द निराकरण नहीं किया जाता है तो करणी सेना वृहद आंदोलन को मजबूर होगी जिसकी जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी।

स्पॉन्सरशिप योजना से अवंतिका चौहान के बच्चों की उम्मीदों को मिली नई उड़ान

संकट की घड़ी में स्पॉन्सरशिप योजना बनी सहारा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गरीबी और विपत्तियां जब जीवन के द्वार पर दस्तक देती हैं, तब सरकारी योजनाएं यदि संवेदनशीलता से लागू हों, तो वे किसी देवदूत से कम नहीं होतीं। ऐसी ही एक जनकल्याणकारी योजना है स्पॉन्सरशिप योजना। जो मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जरूरतमंद बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए चलाई जा रही है। स्पॉन्सरशिप योजना, सरकार की एक संवेदनशील और व्यावहारिक पहल है, जो बच्चों को उनके परिवार में ही सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर देती है।

सीहोर निवासी श्रीमती अवंतिका चौहान भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं जिनके दो बेटों को इस योजना का लाभ मिला है। श्रीमती अवंतिका चौहान कहती हैं कि उनके जीवन में अचानक अंधकार तब छा गया, जब एक सड़क हादसे में उनके पति का निधन हो गया। घर चलाने वाले का साया उठ गया और दो छोटे बेटों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। उनकी सबसे बड़ी चिंता थी कि बच्चों की पढ़ाई और भविष्य का क्या होगा। जब सभी रास्ते बंद से लगने लगे, तभी उन्हें अपने वार्ड की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से इस योजना की जानकारी मिली। उन्होंने आवेदन किया और कुछ ही समय बाद उनके दोनों बेटों को दो-दो हजार रूपये प्रतिमाह मिलने लगे। इस योजना के तहत मिलने वाली राशि से श्रीमती अवंतिका के दोनों बेटों की पढ़ाई को नई दिशा मिली। उनके दोनों बेटे नियमित रूप से स्कूल जाते हैं और मन लगाकर अपनी आगे की पढ़ाई कर रहे हैं। श्रीमती अवंतिका चौहान कहती हैं कि यह योजना सिर्फ सहायता राशि नहीं देती, यह टूटे हुए परिवारों को फिर से खड़े होने की ताकत भी देती है। इस योजना के लिए श्रीमती अवंतिका चौहान ने मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

क्या है स्पॉन्सरशिप योजना- यह योजना महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित एक योजना है। यह योजना गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे उन बच्चों के लिए संचालित की जा रही है जिनके माता-पिता नही हैं अथवा माता-पिता में से किसी एक का निधन हो गया है तथा जिनके पास भरण-पोषण या शिक्षा का कोई स्थायी साधन नही है। इस योजना के तहत चयनित प्रत्येक बच्चे को दो हजार रूपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है। इस योजना के लिए जिले की बाल कल्याण समिति या जिला बाल संरक्षण इकाई के माध्यम से आवेदन किया जाता है। इसके पश्चात घर की स्थिति की जांच की जाती है तथा पात्र पाए जाने पर योजना स्वीकृत होती है और राशि मिलना प्रारंभ होती है।

विद्यार्थियों से शौचालय-बाथरुम साफ करवाने वाले शिक्षक को किया निलंबित

अतिथि शिक्षक की सेवाएं की समाप्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम पिपल्या गोपाल के शासकीय प्राथमिक स्कूल में शिक्षक द्वारा स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों से स्कूल का शौचालय और बाथरूम साफ करवाया गया था। जिसका वीडियो वारयल होने पर ग्रामीणों ने स्कूल पहुंचकर नाराजगी व्यक्त करते हुए इस मामले की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूल के शिक्षक फैजल खान को निलंबित कर दिया। वहीं स्कूल के अतिथि शिक्षक संदीप मालवीय की सेवाएं समाप्त की गई है।

उल्लेखनीय है कि 17 फरवरी 2026 को पिपल्या गोपाल के शासकीय विद्यालय का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें शिक्षक फैजल खान एक बच्चे से शौचालय साफ करवाते नजर आ रहे थे। सफाई के दौरान बच्चे की शर्ट भी उतरी हुई थी। स्कूल की छात्राओं ने भी बताया कि शिक्षक द्वारा उनसे स्कूल में आए दिन झाडू लगवाई जाती है। कक्षा 6 के एक छात्र ने बताया था कि शिक्षक फैजल खान ने कहा था कि परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं और बाहर के गांवों से बच्चे यहां आएंगे। इसलिए सफाई कर दो। स्कूल के एक छात्र के अभिभावक देवी सिंह ने बताया कि जब वे स्कूल पहुंचे तो उन्होंने खुद बच्चों को बिना कपड़ों के शौचालय साफ करते देखा। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र सिप्रे द्वारा कार्रवाई करते हुए शिक्षक फैजल खान को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधी में शिक्षक खान को बीईओ कार्यालय मोहन बड़ोदिया में अटैच किया गया है। इसी तरह स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा अतिथि शिक्षक संदीप मालवीय की सेवाएं समाप्त की गई है।

परीक्षा में बरती थी लापरवाही, नहीं जुटाई व्यवस्थाएं

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम पिपल्यागोपाल में शुक्रवार को कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षा के दौरान छत से पानी टपकने के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संबंधित परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष को हटा दिया है। वहीं विद्यालय की प्रधानाध्यापक को भी नोटिस दिया गया है। बताया गया कि परीक्षा केंद्र पर व्यवस्थाएं सुचारू नहीं करने के कारण यह कार्रवाई की गई है। दरअसल ग्राम पिपल्या गोपाल स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा के दौरान 144 विद्यार्थी टाटपट्टी पर बैठकर हिंदी का पहला पेपर हल कर रहे थे। दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चली परीक्षा के दौरान बारिश शुरू हो गई, जिससे कुछ ही देर में स्कूल के कक्ष में छत से पानी टपकने लगा। जिससे यहां पर रेलम-पेल मच गई। स्कूल स्टॉफ द्वारा छत से टपकते पानी को सहेजने के लिए बाल्टी भी लगाई, लेकिन इससे भी कोई फायदा नहीं हुआ और फर्श पर बिछी टाटपट्टी और फर्श पूरी तरह भिग गए। बताया गया कि बच्चों के कपड़ों पर भी पानी टपक रहा था। इस मामले को संज्ञान में आने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र सिप्रे द्वारा कार्रवाई करते हुए पिपल्या गोपाल विद्यालय के परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष राजेशकुमार मालवीय को हटा दिया है। वहीं मालवीय के स्थान पर संजय नागर को नया केंद्राध्यक्ष बनाया गया है। वहीं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शबाना परवीन को भी नोटिस जारी किया गया है। डीपीसी धीरज बिरथरिया ने कहा कि मामले में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कार्रवाई की गई है।

राशन लेने निकली वृद्ध महिला को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया में रविवार सुबह सड़क हादसे में बुजुर्ग महिला (60) गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद शाजापुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना सुबह करीब 11 बजे विद्युत मंडल कार्यालय के पास हुई। मुन्नीबाई पति नाथूलाल (60) सड़क पर पैदल चल रही थीं। तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मुन्नीबाई सड़क पर गिर गईं और उनके सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहन बड़ोदिया पहुंचाया गया। सिर में गंभीर चोट के कारण उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए महिला को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

दो दिन में 10 डिग्री से अधिक बढ़ा दिन का तापमान

रात के तापमान में भी आया उछाल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसम परिवर्तन का क्रम फिर शुरू हो गया है। दो दिन पहले लोगों को सर्दी से ठिठुरना पड़ रहा था और बारिश भी हो रही थी। लेकिन फिर मौसम बदलना प्रारंभ हो गया है और दो दिन में ही अधिकतम तापमान में 10 डिग्री से अधिक उछाल दर्ज किया गया है। मौसम विभाग की माने तो अगले सप्ताह तक तापमान 35 या इससे अधिक तक भी पहुंच सकता है।

हालांकि सुबह और शाम को जरूर मौसम सर्द बना हुआ है और अभी भी सुबह जल्दी काम पर निकलने वाले लोग गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। लेकिन अगले सप्ताह रात के तापमान में भी उछाल आना शुरू होगा। मौसम विभाग के अनुसार रात का तापमान भी 15 डिग्री से अधिक पहुंच सकता है। इसके बाद लोगों को पंखे और कूलर ही राहत दे सकते हैं। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि जो सिस्टम बना था और जितनी बारिश होना थी हो गई। यह जरूर है कि एक-दो दिन में आसमान पर हल्के बादल जरूर छा सकते हैं, लेकिन अब बारिश की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह के अंत तक ही दिन का तापमान 35 डिग्री तक और रात का तापमान 15 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके बाद गर्मी का दौर शुरू होगा।

ग्राम लसूडिया परिहार में एनएसएस छात्र इकाई द्वारा 7 दिवसीय शिविर आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) छात्र इकाई द्वारा ग्राम लसूडिया परिहार में 07 दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, श्रमदान, पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता रैली तथा सामुदायिक संवाद जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करती है। प्रभारी प्राचार्य डॉ. शीलचंद गुप्ता ने कहा कि एनएसएस व्यक्तित्व के विकास का सशक्त मंच है। कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवक श्री राहुल राजपूत एवं स्वयं सेविका सुश्री दीक्षा चौरसिया भी शामिल हुए। सुश्री दीक्षा चौरसिया को हाल ही में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'विकसित भारत युवा कनेक्ट' कार्यक्रम के अंतर्गत 'यूथ आइकन' के रूप में चयनित किया गया है। समापन अवसर पर स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र, शील्ड एवं मेडल वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

अब एमपी ई-सेवा पोर्टल पर उपलब्ध हैं नागरिक सेवाएं, मोबाइल एप के माध्यम से ली जा सकती हैं सेवायें

ई-सेवा पोर्टल का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विभिन्न शासकीय विभागों के माध्यम से संचालित नागरिक केन्द्रित सेवाएं अब एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। राज्य शासन द्वारा आम जन के लिये सरल, पारदर्शी व त्वरित ऑनलाइन सेवा शुरू की गई है। यह सेवायें एमपी ई-सेवा पोर्टल 222.द्गह्यद्ग1ड्ड.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ एवं मोबाइल एप के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं। मोबाइल एप गूगल प्ले स्टोर और एप स्टोर से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने जिले के सभी जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ एवं सभी विभागों के कार्यालय प्रमुखों को ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाइल एप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं।

पोर्टल तथा एप पर सुविधा सेवायें, प्रमाण-पत्र, लायसेंस व कर, राजस्व कृषि एवं ग्रामीण विकास सेवायें, पेंशन, अन्य हितलाभ, सामाजिक कल्याण व सशक्तिकरण, शिक्षा, शहरी आवास और पर्यावरण, ऊर्जा, परिवहन, अधोसंरचना, व्यवसाय, निवेश व प्रमोशन, स्वास्थ्य व कल्याण, न्याय, कानून और शिकायत, यात्रा, संस्कृति, विरासत व पर्यटन, युवा, खेल एवं रोजगार उद्यमिता व कौशल इत्यादि से संबंधित सेवायें एमपी ई-सेवा पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

एमपी ई-सेवा पोर्टल व मोबाइल एप पर शासकीय योजनाओं की पात्रता की जाँच, ऑनलाइन आवेदन, रियल टाइम आवेदन ट्रेकिंग, डिजिटल प्रमाण-पत्र डाउनलोड, समग्र इंटीग्रेशन, समग्र प्रोफाइल के आधार पर पूर्व में भरा हुआ आवेदन फॉर्म, सिंगल साइन ऑन (एसएसओ) सुविधा, इंटीग्रेटेड पेमेंट गेटवे सुविधा, महत्वपूर्ण हेल्पलाइन एवं एंड्रॉयड और आईओएस से संबंधित सुविधायें भी उपलब्ध हैं।

नगर के बूथ-बूथ पर गूंजा मन की बात का संदेश, सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सुना 131वां एपिसोड

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के नेतृत्व में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 131वें एपिसोड का विभिन्न बूथों पर सामूहिक श्रवण किया गया। हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा देश के सामाजिक सरोकारों, जनभागीदारी, नवाचारों एवं राष्ट्र की उपलब्धियों पर विचार साझा किए जाते हैं।

नगर के अनेक बूथों पर कार्यकर्ताओं, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति एवं मतदाताओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। बूथ क्रमांक 78 पर नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, महामंत्री संतोष राव एवं सरपंच प्रतिनिधि हीरालाल जी उपस्थित रहे। बूथ क्रमांक 75 पर जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार एवं मनोज सोलंकी मौजूद रहे।

बूथ क्रमांक 66 पर प्रभारी दीपक परमार एवं बूथ अध्यक्ष हेमंत पंवार, बूथ क्रमांक 37 पर महेश वर्मा एवं ओम प्रकाश सीरवी, बूथ क्रमांक 56 पर अंशुमान जोशी एवं अजय सोलंकी, बूथ क्रमांक 57 पर रमेश पाटीदार, बूथ क्रमांक 58 पर पवन चावला एवं बाबूलाल पाटीदार, बूथ क्रमांक 59 पर श्रीमती अलका सोनी एवं मुकेश चावड़ा, बूथ क्रमांक 60 पर आशीष सोनी एवं श्रीधर व्यास, बूथ क्रमांक 61 पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादवओम प्रकाश सोनिगर एवं धर्मेंद्र गांधी बुथ क्रमांक, 62 पर दिलीप सिंह चौहान भाजपा के वरिष्ठ नवीन चौहान संतोष सोनगरा राजेश प्रजापति बूथ क्रमांक 63 पर प्रदीप हारोड़, बूथ क्रमांक 64 पर श्रीमती प्रीति रावल एवं लोकेंद्र सिंह सोलंकी, बूथ क्रमांक 65 पर राहुल जैन एवं दिलीप नाथावत, बूथ क्रमांक 68 पर राजेंद्र सिंह पवार एवं विमल राव, बूथ क्रमांक 70 पर डॉ. मोहसिन शोएब कुरैशी, बूथ क्रमांक 71 पर जितेंद्र प्रजापत एवं दीपक सोलंकी, बूथ क्रमांक 72 पर चिंटू पाटीदार एवं अजय रील, बूथ क्रमांक 73 पर आकाश ऊंटवाल एवं जितेंद्र सीरवी, बूथ क्रमांक 74 पर श्रीमती अनीता चौहान, बूथ क्रमांक 76 पर गौरव होती एवं कन्याहैलाल वसुनिया, बूथ क्रमांक 78 पर जितेंद्र मकवाना एवं अमर सिंह डावर, साथ ही बूथ क्रमांक 67 पर सुनील परमार एवं गोपाल गामड़ तथा बूथ क्रमांक 69 पर जितेंद्र आर्य की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के पश्चात कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह चौहान द्वारा प्रदान की गई।

जिला न्यायालय बदनावर मे पहली बार आयुर्वेदिक निशुल्क शिविर लगेगा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पहली बार बदनावर के जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय, परिसर में अभिभाषक संघ के सानिध्य में एवं स्वर्गीय श्री चांदमलजी संघवी की स्मृति में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर शनिवार 28 फरवरी को बदनावर न्यायालय परिसर में पहली बार आयुर्वेदिक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें गुजरात के पारुल आयुर्वेदिक हास्पिटल से चिकित्सक आकर जांच,ईलाज करके दवाई निशुल्क प्रदान करेंगे। जिसमें कई प्रकार के रोगों की जांच भी की जावेगी। जिसमें प्रमुख रूप से सभी रोगों,बी पी,डायबिटीज, हृदय रोग चर्म रोग,घुटनों के दर्द इत्यादि का ईलाज होगा । शिविर को सफल बनाने के लिए बदनावर अभिभाषक के संघ के अध्यक्ष नरेंद्र जाट, तन्मयसिह राजावत उपाध्यक्ष वरिष्ट अभिभाषक अशोक संघवी, मुकेश संघवी, जितेंद्र सोलंकी, विजयसिंह पंवार संरपचसा , कृष्णा पंवार, सुहद घोडगांवकर, पंकज पाटीदार, संदीप पाटीदार, निर्देश सोनगरा, के एल जाट, जयपालसिंह डोड, शिवराम रघुवंशी, रिजवान खान एवं समस्त अभिभाषको की ओर से शिविर का लाभ लेने, स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की गई है। स्थान न्यायालय परिसर रहेगा,समय सुबह 11 से 3-00 का रहेगा।

बदनावर में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण का शुभारंभ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर स्थित मां एकवीरा मंदिर परिसर में सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। प्रथम दिवस विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पूरे नगर में भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण निर्मित हो गया। गुड़गांव से पधारी पूज्य महामंडलेश्वर आत्म चेतना दीदी ने अपने ओजस्वी एवं सारगर्भित प्रवचनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि दिया हुआ दान और भगवान का लिया हुआ नाम, दोनों ही मनुष्य के साथ अंत समय तक चलते हैं। उनके मधुर वचनों ने उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत कर दिया। कथा के दौरान दीदी ने समाज में व्याप्त एक गंभीर विसंगति की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने प्रश्न उठाया कि जब हम अपने पुत्र के लिए किसी के घर की बेटी को सहर्ष स्वीकार करते हैं, तो अपने घर बेटी के जन्म पर प्रसन्नता क्यों नहीं व्यक्त करते, यह भेदभाव समाज के लिए गहन चिंतन का विषय है। उन्होंने समानता, संस्कार और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। प्रथम दिवस की कथा का पुण्य लाभ सुरेश चन्द पाटीदार एवं श्रीमती मोहनबाई पाटीदार (बखतगढ़) ने प्राप्त किया। आयोजन में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

जनगणना-2027 के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी जनगणना के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के कार्य को अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से संपादित करना है।

जनगणना कार्य निदेशालय मध्य प्रदेश से श्रीमती प्रेमा नायर ग्वालियर संभाग प्रभारी एवं पियूष पवार शिवपुरी जिला प्रभारी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को जनगणना कार्यों की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने डिजिटल माध्यम से डेटा संकलन, मोबाइल एप के उपयोग तथा विभिन्न वेब पोर्टलों के संचालन की विस्तृत जानकारी दी।

प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक जानकारी के अनुसार जिले में जनगणना कार्य दो चरणों में संपन्न होगा। प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 के मध्य आयोजित किया जाएगा, जिसमें मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। द्वितीय चरण फरवरी 2027 में संपन्न होना प्रस्तावित है।

इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जो भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी। आंकड़ों का संकलन मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही नागरिकों को स्वयं अपना डेटा भरने की सुविधा देने के लिए स्व-गणना वेब पोर्टल विकसित किया जा रहा है। मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन ब्लॉक क्रिएटर वेब पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा, जबकि जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली वेब पोर्टल के जरिए संपूर्ण कार्य की मॉनिटरिंग की जाएगी।

प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता

मन की बात एपिसोड का 131 वां प्रसारण सभी 6 मंडलो के बूथों पर सुना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 131 वां एपिसोड प्रसारित हुआ। भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा क्षेत्र के सभी 6 मंडलो पर एलईडी स्क्रीन व टीवी के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुना व देखा।

पश्चिम क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य गांव भेरूपाडा गांव के 75 नंबर बूथ पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार की उपस्थिति में ग्रामीणों व भाजपा कार्यकर्ताओ ने मन की बात को सुना। इस मौके पर भाजपा के जिला सह मीडीया प्रभारी मनोज सोलंकी, भाजपा नेता भूपेंद्रसिंह मस्ताना व मीतेश शर्मा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रेमचंद परमार ने कहा कि मन की बात सभी को एक सूत्र में बांधती है और प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। यह कार्यक्रम जमीनी स्तर पर सरकार की नीतियों और योजनाओं को समझने में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग सतर्कता के साथ करे। अनजान व्यक्ति या फर्जी काल से सावधान रहें। किसी को भी अपना निजी बैंक डाटा व पासवर्ड तथा ओटीपी न दे। ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओ की जानकारी भी दी। इस दौरान गांववालों की समस्याएं सुनकर निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। इस मौके पर ग्राम पंचायत सरपंच उदयसिंह गामड़, राजाराम डामर समेत बड़ी संख्या में गांववासी मौजूद थे।

नगर मंडल के बूथ क्रमांक 78 पर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, महामंत्री संतोष राव व शंभूपाडा पंचायत सरपंच हीरालाल सोलंकी की उपस्थिति में कार्यक्रम सुना व देखा गया। नगर मंडल समेत ग्रामीण मंडल, बखतगढ़ मण्डल, कानवन मंडल, बिड़वाल मंडल व सादलपुर मंडल के बूथों पर भी कार्यकर्ताओ ने मन की बात एपिसोड को सुना व देखा।

जिला प्रशासन व रोटरी के सहयोग से 17 मार्च से 24 मार्च तक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग व रोटरी के सहयोग से रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन शिवपुरी अंतर्गत 17 मार्च से 24 मार्च तक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में किया जाएगा। इस विशाल रोटरी मेडिकल मिशन के संदर्भ में तैयारियों की बैठक गतदिवस जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वासथ्य अधिकारी डॉ.संजय ऋषिश्वर, सिविल सर्जन डॉ.बी.एस.यादव सहित रोटरी के पदाधिकारी, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, रेडियोलॉजिस्ट, अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि इस शिविर में मरीजों को चिन्हित किया जायेगा, उसके बाद जिला मुख्यालय पर मरीजों को लाकर 17 मार्च से 24 मार्च तक उनकी बीमारियों का इलाज किया जायेगा। इस रोटरी मेडीकल मिशन में सैकड़ों चिकित्सक नई दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, बॉम्बे से आयेंगे। हमारा लक्ष्य है कि हम जरूरतमंद व्यक्ति के पास तक पहुंचे और उसे इलाज मुहैया करायें। यह पुण्य का कार्य है, हम अपने स्तर पर जीतना सहयोग कर सकते है, हमें उतना सहयोग करना चाहिए। वृहद शिविर की तैयारियों के क्रम में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन 26, 27 एवं 28 फरवरी 2026 को जिला चिकित्सालय शिवपुरी में किया जाएगा।

पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने हेतु जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित

आलीराजपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत नवाचार के तहत पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से जिला पंचायत आलीराजपुर द्वारा फतेह क्लब में गत दिवस एक दिवसीय जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले की समस्त जनपद पंचायतों की टीमों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हजरीबाई खरत एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती संघमित्रा गौतम उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पारंपरिक खेल हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं तथा युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली एवं सकारात्मक सोच की दिशा में प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान टीम ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने, नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता में जनपद पंचायत जोबट की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और 21 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। जनपद पंचायत कट्ठीवाड़ा की टीम द्वितीय स्थान पर रही, जिसे 11 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। तृतीय स्थान जनपद पंचायत आलीराजपुर को प्राप्त हुआ, जिसे 5 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। वहीं उदयगढ़ एवं सोंडवा की टीमों को 1100-1100 रुपये के सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

महेश चौहान सहित जबलपुर हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बोले – लव-जिहाद और मंदिरों में बढ़ रहे अतिक्रमण के प्रकरण निःशुल्क लड़ेंगे

ब्रह्मपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शाहदरा लोधीपुरा स्थित प्रख्यात चमत्कारी श्रीईच्छैश्वर हनुमान मंदिर में उस समय विशेष धार्मिक वातावरण निर्मित हो गया जब मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं का एक दल ईच्छैश्वर हनुमान जी के दर्शन हेतु ब्रह्मपुर पहुंचा। ईच्छैश्वर हनुमान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की उपस्थिति के बीच हाईकोर्ट अधिवक्ताओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राष्ट्र और प्रदेश की उन्नति,समृद्धि एवं जनकल्याण की मनोकामना की।

मंदिर से संबंधित जो भी प्रकरण वर्तमान में संचालित है,उनकी किसी भी प्रकार से विधिक रूप से आगे बढ़ाएंगे। चमत्कारी श्रीईच्छैश्वर हनुमान मंदिर पहुंचने पर ईच्छेश्वर हनुमान मंदिर ट्रस्ट के सदस्य और पदाधिकारियों द्वारा सभी अधिवक्ताओं का पुष्पमाला एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। ईच्छैश्वर हनुमान मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंदिर की धार्मिक परंपरा, इतिहास और यहां से जुड़ी आस्था के विषय में जानकारी दी गई।

अधिवक्ता दल में अधिवक्ता एम. के. त्रिपाठी, अशोक मिश्रा, शेषराज कुशवाहा, नीरज आसर, धर्मेन्द्र पाण्डे एवं नितिनराज सम्मिलित थे। सभी ने श्रद्धापूर्वक दर्शन कर मंदिर मंदिर के आभामंडल और अलौकिक वातावरण की अद्भुत व अद्वितीय की सराहना की।

हाईकोर्ट अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि मंदिर से संबंधित जो भी प्रकरण वर्तमान में संचालित है,उसे वे निःशुल्क विधिक रूप से आगे बढ़ाएंगे। यह सहयोग केवल मंदिर से जुड़े विषयों के लिए नही बल्की ब्रह्मपुर मे बढ रहे लव-जेहाद के मामलो मे भी रहेगा। हाईकोर्ट अधिवक्ताओ ने कहा कि धार्मिक स्थलों का संरक्षण एवं सुदृढ़ प्रबंधन समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को यहां हजारो की संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते है चमत्कारी ईच्छैश्वर हनुमान मंदिर के संबंध में श्रद्धालुओं की मान्यता है कि श्रीइच्छेश्वर हनुमान जी के समक्ष सच्चे मन से की गई विनंती,प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है,प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को यहां बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

हाईकोर्ट अधिवक्ताओं के आगमन और श्री चमत्कारी ईच्छैश्वर हनुमान मंदिर ट्रस्ट द्वारा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के अधिवक्तागण जो।

आबकारी विभाग धार द्वारा विदेशी मदिरा बोल्ट बियर की 199 पेटी जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

धार/ मनीष जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार तथा उपायुक्त आबकारी संभाग इंदौर श्री संजय तिवारी, एवं सहायक आबकारी आयुक्त जिला धार श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में धार जिले में आबकारी विभाग के द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी वृत्त धार में आबकारी विभाग की अवैध मदिरा परिवहन/विक्रय के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी हैं। इसी कड़ी में शनिवार को सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिनेश उदेनिया के नेतृत्व में अवैध मदिरा से भरी आयसर वाहन को पकड़ा गया । मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई जेतपुराट्ठबगड़ी तुर्क रोड पर जीतल सोल्यूशन वेयरहाउस परिसर के भीतरअवैध शराब से भरी एक आयसर गाड़ी नंबर MP09GE7345 खड़ी है जिसमें शराब विशेष चैम्बर में भारी है जिसकी तलाशी लेने पर बोल्ट कैन बियर की 199 पेटियां बरामद की गई। वाहन से कुल 2388 बल्क लीटर शराब जप्त कर देवकरण पिता सीताराम भूरिया निवासी खिड़कियां जिला धार व गणेश पिता संतोष रेसवाल निवासी पीपलगोन तहसील कसरावद जिला खरगोन के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया। उक्त कार्यवाही नवीन विधान हेतु निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से वीडियो आदि बनाकर की गई।जप्त मदिरा एवं वाहन की कुल अनुमानित क़ीमत लगभग रुपये 18,00,000/- है । उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिनेश उदेनिया, आबकारी उप निरीक्षक राज कुमार शुक्ला, मुनेंद्र जादोन, मुख्य आरक्षक कैलाश बघेल, आरक्षक राजेन्द्र पवार, शकुन्तला खराड़ी, परमानंद चौधरी की टीम द्वारा की गई।

दतिया में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतिम प्रकाशन को लेकर बैठक संपन्न

दतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतिम प्रकाशन के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ महत्वपूर्ण बैठक विगत दिवस आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा की गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बृजेन्द्र सिंह यादव सहित जिले के विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन पात्रता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से किया गया। बैठक में बताया गया कि यह कार्यवाही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, भारत निर्वाचन आयोग एवं मध्य प्रदेश मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप की जा रही है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली की फोटोयुक्त प्रतियां तथा सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी गई। बैठक में मतदाता सूची से संबंधित आपत्तियों, संशोधन प्रक्रिया एवं अंतिम प्रकाशन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासन द्वारा सभी राजनीतिक दलों से निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करने तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सक्रिय सहभागिता की अपील की गई।

राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यकम के अंतर्गत किसानों एवं पशुपालकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय बहुउद्देशीय कृषक साख सहकारिता संस्था में इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित इन्दौर एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित बड़वानी के संयुक्त तत्वाधान में दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्थाओं का रविवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ । कार्यकम में दुग्ध सहकारी संघ मर्यादित खरगोन के प्रबंधक श्री डी.पी.त्यागी एवं सहकारिता विभाग के अंकेक्षण अधिकारी श्री मनोज टाक, जिला संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओंकार यादव द्वारा प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का शुभांरभ हुआ कार्यकम में श्री डी.पी.त्यागी द्वारा स्वच्छ दुध उत्पादन के साथ दुध उत्पादन की मात्रा वृद्धि,पशुओं की देखभाल, उन्नत नस्ल के जानवरों का पालन की जानकारी के साथ ही श्री मनोज टाक अंकेक्षण अधिकारी सहकारिता विभाग खरगोन द्वारा दुध संस्थाओं के बायलाज पर जानकारी दी गई । श्रीमती कुंता चौहान, प्रबंधक क्षे.सं.दुग्ध संयंत्र बड़वानी द्वारा संघ की योजनाओं, संस्था के अधिकारियों बैंक की समस्त गतिविधियों एवं पशु पालन पर चर्चा की ।प्रशिक्षण में शामिल हुए किसानों का आभार संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओंकार यादव द्वारा माना गया। कार्यकम में क्षेत्र के दुग्ध उत्पादन 104 किसानों की उपस्थिति की रही, किसानो ने अधिकारियों से मप्र शासन की योजनाओं के बारे में जानकारी ली तथा पशुओं की खरीदी कहा से करना है इस में बारे मे पूछा गया। श्री डी. पी.त्यागी ने बताया कि हरियाणा, गुजरात या अन्य राज्यों से उच्च नस्ल के पशु क्रय किए जा सकते हैं। जो किसानो को ओर पशुपालकों के लिए लाभप्रद रहेंगे। ये पशु अधिकतम 15 से 18 लीटर तक दूध दे सकते है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में रंजना चतुर्वेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की अध्यक्षता में गतदिवस विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर डी.डी.आर.सी. भवन मंगलम शिवपुरी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सामाजिक न्याय विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग शिवपुरी के समन्वय से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शांति समिति की बैठक संपन्न, भाईचारे से त्योहार मनाने एवं प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दंडाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में 21 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभागृह में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी त्योहारों जैसे होलिका दहन, धुलेंडी, रंगपंचमी, गुड़ी पड़वा, चैत्र चाँद, ईद-उल-फितर, गणगौर पर्व , शीतला सप्तमी महाआरती (गोगावां), रामनवमी, महावीर जयंती, हनुमान जन्मोत्सव, अंबेडकर जयंती, गुड फ्रायडे, परशुराम जयंती/अक्षय तृतीया, बुद्ध पूर्णिमा एवं ईद-उल-जुहा आदि के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिला दंडाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक श्री रविंद्र वर्मा द्वारा होली का डांडा परंपरागत स्थानों तक सीमित रखने, होली दहन मुहूर्त अनुसार लेकिन 12 बजे तक अनिवार्य रूप से आयोजन समिति सदस्यों की उपस्थिति में करने के निर्देश दिए गए। त्योहारों के दौरान दो से अधिक सवारी या बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल चलाना प्रतिबंधित रहेगा, उल्लंघन पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में मुख्य नगरपालिका अधिकारी को शहर में नालों एवं नालियों की सफाई त्यौहारों के पूर्व अनिवार्य रूप से करवाएं, पानी की आपूर्ति नियमित समय एवं पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित करें, फायर ब्रिगेड मय फायर टीम की व्यवस्था की जाएं, विद्युत मंडल अधिकारियों के साथ संयुक्त भ्रमण कर बंद स्ट्रीट लाइटें तत्काल चालू कराने, खुली डिपी के ढक्कन लगवाने एवं ड्रेनेज लाइन खुदाई का मलबा रोड एवं खाली प्लॉटों से हटाने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी एवं यातायात प्रभारी को त्यौहारों के दौरान कानून व्यवस्था हेतु पर्याप्त बल तैनात करने, ट्राफिक सुचारू रखने, नियम तोड़ने वालों पर कार्यवाही करने एवं वाहन पार्किंग निर्धारित स्थानों पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। म.प्र.वि.वि. कंपनी के कार्यपालन यंत्री को त्यौहार के दौरान विद्युत व्यवस्था सतत बनाए रखने, खराब तारों एवं खुली डिपी को तत्काल दुरुस्त करने हेतु टीम ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को त्यौहारों में चिकित्सा दल मय औषधियों एवं एंबुलेंस सहित कंट्रोल रूम एवं मौके पर उपस्थित रखने के निर्देश दिए गए। आबकारी विभाग को अवैध शराब विक्रय रोकने एवं मुख्य दिवस पर शुष्क दिवस घोषित करने के लिए कार्यवाही करने को कहा गया है।

बैठक में होलिका दहन-धुलेंडी पर परंपरागत स्थलों का चिन्हांकन, प्रकाश, पानी, सुरक्षा-सफाई, कब्रिस्तान पर पुलिस गार्ड, फायर ब्रिगेड थाने पर तैनाती, जल की आपूर्ति एवं प्राकृतिक रंगों का उपयोग करने के निर्देश दिए। रंगपंचमी पर सूखे व गुलाबी रंग-गुलाल का उपयोग करने, केमिकल युक्त रंगों का उपयोग न करने, जबरन रंग न डालने एवं शुष्क दिवस घोषित करने के निर्देश दिए। गुड़ी पड़वा-गणगौर पर माता पूजन-विसर्जन के दौरान घाटों पर पर्याप्त कानून व्यवस्था व निगरानी करने, ईद-उल-फितर पर नमाज वाले क्षेत्रों में कार्यपालिक दंडाधिकारी ड्यूटी लगाने, शीतला महाआरती (गोगावां) पर बेरिकेटिंग, मेडिकल-फायर ब्रिगेड एवं लाइटिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने, रामनवमी पर जुलूस व झांकियों के दौरान संवेदनशील मार्गों पर बेरिकेटिंग व अतिक्रमण हटाना, मेडिकल-फायर तैनाती; महावीर जयंती, हनुमान जन्मोत्सव, गुड फ्रायडे, अंबेडकर जयंती, परशुराम जन्मोत्सव पर सफाई-सुरक्षा-प्रकाश तथा ईद-उल-जुहा पर नमाज स्थलों की सफाई, कंटेनर, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने शांति समिति की बैठक में थाना स्तर पर शांति समिति बैठकों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उन्होंने भगोरिया के दौरान झूले की सुरक्षा एवं जांच के लिए विशेष समिति गठित करने के निर्देश दिए। साथ आयुष्मान कार्ड के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए। कलेक्टर ने उपस्थित सदस्यों से कहा कि समाज में उनकी अच्छी पहुंच है, इसलिए किसी भी अप्रिय स्थिति को सभी सकारात्मक रूप से संभालते हुए प्रशासन का सहयोग करें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि भगोरिया में पुलिस बल के साथ वॉलेंटियर्स लगाए जाएं, जितना संभव हो सके सुरक्षा समिति, होमगार्ड एवं कोतवाल की भी ड्यूटी लगाई जाएगी। पुलिस प्रशासन द्वारा जागरूकता शिविर, साइबर अवेयरनेस एवं महिला सुरक्षा के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे तथा हंगामा करने वाले हर सामाजिक तत्व के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। त्योहारों के दौरान निकलने वाले चल समारोह एवं जुलूस में परंपरागत रूट का उपयोग हो, यदि परिवर्तन करना हो तो पूर्व सूचना देकर अनुमति ली जाए। रूटों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था हो तथा सोशल मीडिया पर कोई आपत्तिजनक पोस्ट दिखने पर पहले पुलिस को सूचना करें, स्वयं टिप्पणी न करें। बैठक में सभी को भाईचारे से त्योहार मनाने एवं प्रशासन को सहयोग करने का आह्वान किया गया।

बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने सुझाव दिए कि भगोरिया हाट बाजार में ग्राम पंचायत को निर्देशित कर पेयजल टैंकर की व्यवस्था की जाए, खुले में बिकने वाली शराब एवं अवैध शराब को पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाए, दूषित खाद्य सामग्री का विक्रय न हो एवं असामाजिक तत्वों की रोकथाम के लिए एवं महिला सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए महिला कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई जाए। गणगौर पर्व पर माता विसर्जन के समय कुंदा नदी की सफाई का ध्यान रखा जाए एवं ग्राम पंचायत को निर्देशित किया जाए कि घाटों की साफ-सफाई कराई जाए। खरगोन शहर में सड़कों पर अवैध अतिक्रमण हटाए जाएं, जिससे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर वाहनों का आवागमन सुचारू हो सके।

बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती शकुंतला रूहल, एसडीएम श्री वीरेंद्र कटारे, सीएमओ सुश्री कमला कोल, डिप्टी कलेक्टर श्री अनिल जैन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बाबू सिंह परिहार, जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्य एवं व्यवस्थाओं से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री तिवारी ने 2 आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने जिले के 2 आदतन अपराधियों के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए जिले की राजस्व सीमाओं से 3 माह कि अवधि के लिए बाहर जाने का आदेश पारित किया है।कलेक्टर श्री तिवारी ने इन दोनों अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर कार्यवाही की है। इंडिया होटल के पीछे कोरी मोहल्ला कुठला थाना कोतवाली निवासी 24 वर्षीय अभिषेक ऊर्फ छोटू निषाद के विरूद्ध वर्ष 2023 से अक्टूबर 2025 तक की अवधि में कोतवाली थाना में 4 प्रकरण और पुलिस थाना एनकेजे में 1 प्रकरण को मिलाकर कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध है। आदतन अपराधी अभिषेक के विरूद्ध गाली गलौच, हत्या करने, मारपीट कर गंभीर चोट पहुचाने, जान से मारने की धमकी देने, अवैध पैसों की वसूली और अवैध शस्त्र रखने तथा अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के लोगों को जातिगत रूप से अपमानित करने जैसे गंभीर प्रवृत्ति के अपराध प्रचलित है।इसी प्रकार ग्राम गुड़ा थाना ढीमरखेड़ा उम्र 35 साल दीपचंद उर्फ दिप्पू लोधी के विरूद्ध वर्ष 2018 से अब तक मारपीट एवं चोरी के 5 प्रकरण दर्ज है। इनके आपराधिक कृत्यों पर अंकुश लगने के लिए जिला दंडाधिकारी श्री तिवारी ने दोनों आदतन अपराधियों क्रमशः अभिषेक उर्फ छोटू निषाद और दीपचंद उर्फ दिप्पू लोधी को कटनी जिले की राजस्व सीमाओं तथा समीपवर्ती जबलपुर, मैहर, दमोह, पन्ना एवं उमरिया की राजस्व सीमाओं से 3 माह की अवधि के लिए बाहर जाने का आदेश पारित किया है। इन दोनों को 3 माह कि अवधि तक न्यायालय में नियत पेशी दिनांक को संबंधित पुलिस थाना को लिखित में सूचना देकर उपस्थित होने की अनुमति है।

अग्निवीर सेना भर्ती रैली के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

कटनी /दैनिक मालवा हेराल्ड। सेना में अग्निवीर (पुरुष) जी0डी0, कर्लक,एस. के. टी.,दैनिक्ल,ट्रेडस्मैन (8वीं व 10वीं), महिला सेना पुलिस एवं स्थाई पद नर्सिंग असिस्टेट,नर्सिंग असिस्टेट (वैट) और सिपाही फार्मा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है। आवेदन की प्रक्रिया 1 अप्रैल 2026 तक खुली रहेगी। इसकी अधिसूचना इंडियन आर्मी वेबसाइट www.joinindiarmy.nic.in पर उपलब्ध हैं। इस बार सेना भर्ती के लिए आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है, इसमें 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा अग्निवीर पद के लिए और स्थाई पद के लिए 01 जुलाई 2004 से 01 जुलाई 2009 के बीच जन्में युवा ही पंजीकरण कर सकेंगे।

4 आदतन अपराधियों को देनी होगी हर माह पुलिस थाना में हाजिरी

कटनी /दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने 4 आदतन अपराधियों के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए इन्हें हर माह संबंधित पुलिस थाना में दो दिन उपस्थिति देने का आदेश पारित किया है। श्री तिवारी ने आदतन अपराधियों के विरूद्ध यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर किया है। जिसमें ग्राम जिर्री थाना ढीमरखेड़ा निवासी महेश यादव उम्र 35 साल के द्वारा लगातार वर्ष 2013 से अपराध किया जा रहा है। इसके विरूद्ध विभिन्न प्रकार के 10 प्रकरण दर्ज है। लोक व्यवस्था बनाए रखने कलेक्टर श्री तिवारी ने महेश यादव को 4 माह की अवधि तक दो दिवस प्रतिमाह की 1 एवं 16 तारीख को पुलिस थाना ढीमरखेड़ा में उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए है। इसी प्रकार बरापार हाल निवासी भटिया मोहल्ला थाना कैमोर उम्र 40 साल मिथलेश कोल उर्फ गुड्डू की आपराधिक प्रवृतियों के मद्देनजर कलेक्टर ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिकारियों के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुए लगातार 6 माह की अवधि तक हर माह की 16 तारीख को उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश पारित किया है।इसके अलावा पाठक वार्ड भट्टा मोहल्ला थाना रंगनाथ नगर उम्र 34 साल दीपक उर्फ गोलू ठाकुर के आपराधिक कृत्यों पर रोक लगाने कलेक्टर श्री तिवारी ने 2 माह की अवधि तक 2 दिन प्रत्येक माह की 1 एवं 16 तारीख को थाना रंगनाथ नगर में हाजिरी लगाने के निर्देश दिए है। इसी प्रकार कंटगीकलॉ थाना एनकेजे निवासी राकेश चौधरी उम्र 46 वर्ष के विरूद्ध वर्ष 2007 से अगस्त 2025 तक कुल 8 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध है। राकेश चौधरी द्वारा क्षेत्र में गुंडागर्दी आंतक फैलाने जैसे कृत्य किए जाने की वजह से कलेक्टर ने राकेश चौधरी को पुलिस थाना एनकेजे में लगातार 2 माह तक दो दिन प्रतिमाह 1 व 16 तारीख को उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश पारित किया है।

शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी में एन एस एस विशेष शिविर का सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का संचालन कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. रीना मिश्रा, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. संजयकांत भारद्वाज एवं श्रीमती रिचा पांडेय के नेतृत्व में हुआ। शिविर का उद्देश्य छात्राओं में राष्ट्र सेवा, सामाजिक जागरूकता और व्यक्तित्व विकास की भावना को सुदृढ़ करना था।समापन की पूर्व संध्या पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक एवं समूह प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला।मुख्य अतिथि के रूप में विजयराघवगढ़ के पूर्व विधायक कुंवर ध्रुव प्रताप सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं की सक्रिय सहभागिता और शिविर की विविध गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने छात्राओं को सामाजिक कार्यों में निरंतर भागीदारी के लिए प्रेरित किया और शिविर की सफलता पर शुभकामनाएं दीं।मानव जीवन विकास समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह ने शिविर के दौरान संचालित योग सत्र, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक सेवा गतिविधियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करते हैं।महाविद्यालय की पूर्व वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. साधना जैन ने एन एस एस के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

जिले में फोटो निर्वाचक नामावली का किया गया अंतिम प्रकाशन

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुई जिला स्तरीय बैठक

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अंतर्गत 21 फरवरी को फोटो निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन जिले की सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों एवं आयोग द्वारा निर्धारित विहित स्थलों पर किया गया। जिला स्तर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन के लिए जिला स्तरीय बैठक दिनांक 21 फरवरी 2026 को आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री भव्या मित्तल द्वारा निर्वाचन नामावली के सम्बन्धए में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अंतिम प्रकाशित नामावली की फोटो रहित सूची की सीडी एवं फोटो युक्त सूची की मुद्रित प्रति प्रदाय की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र 185-खरगोन श्री विरेन्द्र कटारे, राजनैतिक दल के श्री शंकर मैना, श्री कादर बैग, श्री विकास भालसे सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिले की 6 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में दावे/आपत्तियों के निराकरण पश्चात् कुल 17638 नाम सम्मिलित हुए तथा 5255 मतदाता निरसित किए गए। इस प्रकार जिले में कुल 12383 मतदाताओं की वृद्धि हुई। वर्तमान में अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली में कुल 1410615 मतदाता दर्ज है। अंतिम प्रकाशन अनुसार जिले की मतदाता जनसंख्या अनुपात 60.83 एवं लिंगानुपात 972 हैं तथा कुल 357 सेवा मतदाता की सूची पृथक से प्रकाशित की गई है। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया में राजनैतिक दलों, जन प्रतिनिधियों तथा आम मतदाताओं द्वारा किये गये सहयोग एवं सहभागिता के लिये समस्त उपस्थित प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया गया तथा अपेक्षा की गई कि निर्वाचन से संबंधित आगामी गतिविधियों में भी इसी प्रकार की भूमिका एवं सहयोग प्रदाय किया जाता रहेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को सौंपी मतदाता सूची की सॉफ्ट व हार्ड कॉपी

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के तहत निर्धारित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार गुना जिले में भी फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली (अर्हता तिथि 01.01.2026) का अंतिम प्रकाशन किया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री किशोर कुमार कन्याल ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर मतदाता सूची के प्रकाशन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी एवं हार्ड कॉपी सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहयोग करने का आह्वान भी किया।

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के तहत जिले के सभी 1224 मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा मतदाता सूची का वाचन भी किया गया। संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन कराया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कन्याल ने बैठक में जानकारी दी कि निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के तहत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 909016(09 लाख 9 हजार 16) हो गयी हैं। जो प्रारूप के प्रकाशन के समय 08 लाख 97 हजार 396 थी। फार्म 6 के माध्यम से नवीन मतदाताओं की संख्या में कुल 16 हजार 934 का इजाफा हुआ है।

वर्तमान में जिले में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की संख्या 13 हजार 92मतदाता हैं।85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 04 हजार 242 हैं।

आज प्रकाशित सूची में ईपी रेशो 57.54 एवं 914.34 जेंडर रेशियो है। उन्होंने 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों की जानकारी भी विधानसभा क्षेत्रवार बैठक में दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कन्याल ने बैठक में मौजूद मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के सुझाव सुने। उन्होंने कहा इन सुझावों को भारत निर्वाचन आयोग को भेजा जायेगा। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अखिलेश जैन, इलेक्शन सुपर वाइजर श्री विजय माथुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविरों का आयोजन जारी

कटनी /दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर सोमवार 23 फरवरी को संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर पात्रों को शासकीय योजना एवं कार्यक्रमों में लाभान्वित किया जाएगा।

सोमवार 23 फरवरी को नगर निगम क्षेत्र में संकल्प से समाधान के आयोजित होने वाले शिविर में वार्ड नं 10 जयप्रकाश वार्ड, वार्ड नं 11 जगमोहन दास वार्ड, वार्ड नं 12 वीर सावरकर वार्ड, वार्ड नं 6 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड, वार्ड नं 7 गणेश प्रसाद मसूरहा वार्ड, वार्ड नं 8 जालपा देवी वार्ड, वार्ड नं 9 महात्मा गांधी वार्ड के लोगों के लिए जोन क्रमांक दो विश्वनाथ बाल मंदिर जालपा देवी वार्ड में शिविर आयोजन किया गया है।इसके अलावा सोमवार 23 फरवरी को विकासखंड विजयराघवगढ़ में संकल्प से समाधान के आयोजित होने वाले शिविर में वार्ड नं 7 महात्मा गांधी वार्ड, वार्ड नं 8 डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड, वार्ड नं 9 भगत सिंह वार्ड के लागों के लिए बलराज सिंह ठाकुर के घर के पास वार्ड क्रमांक 9 में शिविर आयोजन किया गया है।

इसी दिन सोमवार 23 फरवरी को विकासखंड कैमोर में संकल्प से समाधान के आयोजित होने वाले शिविर में वार्ड नं 7 बरापर वार्ड के लोगों के लिए शिविर आंगनवाड़ी केंद्र इंदिरा नगर कैमोर में आयोजित किया गया है। इसके अलावा सोमवार 23 फरवरी को विकासखंड बरही में संकल्प से समाधान के तहत आयोजित होने वाले शिविर में वार्ड नं 6 जवाहरलाल नेहरू वार्ड, वार्ड नं 7 शहीद भगत सिंह वार्ड के लागों के लिए शिविर सराफा मार्केट चौक बाजार बरही में आयोजित किया गया है। इसी दिन सोमवार 23 फरवरी को विकासखंड बड़वारा के ग्रामपंचायत बड़वारा में संकल्प से समाधान के आयोजित होने वाले शिविर में ग्राम कुऑ, करेला, खितौली, जगुवा, बम्हौरी, बरन, महगवॉ, बरमानी, सुतरी, सलैया, सिहोरा, हदरहटा, हर्रवाह ग्रामों के लोगों के लिए शिविर का ग्राम पंचायत बरनमहगवां में आयोजित किया गया है। इसके अलावा सोमवार 23 फरवरी को जनपद पंचायत कटनी में संकल्प से समाधान के आयोजित होने वाले शिविर में ग्राम कछगवा, गैतरा, गर्निंयारी, गुलवारा, देवरीटोला, पड़वा, पिपरौन्ध, लखापतेरी के ग्रामों के लिए शिविर देवरीटोला में आयोजित किया गया है।इसी दिन सोमवार 23 फरवरी को विकासखंड ढीमरखेड़ा में संकल्प से समाधान के तहत आयोजित होने वाले शिविर में ग्राम अतरिया, कटरिया, खमतरा, देवरी, मरवारी, पहरूआ, बिचुवा ग्राम के लोगों के लिए शिविर ग्राम पंचायत खमतरा में आयोजित किया गया है। इसके अलावा सोमवार 23 फरवरी को विकासखंड रीठी में संकल्प से समाधान के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविर में ग्राम कठौतिया, गोदाना, तिघरा कलॉ, नयाखेड़ा, नवगवां, बकलेहटा, बड़गांव, भरतपुर, रूडमुड के ग्रामों के लिए शिविर ग्राम पंचायत बड़गांव में आयोजित किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के मामले में कटनी टॉप टेन जिलों में पुलिस, जिला पंचायत और नगर निगम ने भी हासिल किया ए ग्रेड

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण के मामले में कटनी जिला प्रदेश के 28 जिलों के प्रथम समूह में टॉप टेन जिलों में शामिल है। कटनी जिले ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के नियमित अनुश्रवण और पर्यवेक्षण की वजह से प्रथम समूह के 28 जिलों में सातवां स्थान अर्जित किया है। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के जिलों की सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों के निराकरण के आधार पर जारी की गई ग्रेडिंग में कटनी जिले ने 82.73 वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड हासिल कर सातवां स्थान अर्जित किया है।अग्रणी जिलों में शामिलकटनी जिला प्रथम समूह के 28 जिलों में सातवें स्थान पर रहा है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने विभागों के अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में और अधिक संवेदनशीलता के साथ परिणामोन्मुखी प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। जिले ने बीते जनवरी माह में प्राप्त कुल 8 हजार 312 शिकायतों में से संतुष्टि के साथ बंद शिकायतों का वेटेज स्कोर 49.47 है और जिले का कुल वेटेज स्कोर 82.73 एवं ए ग्रेड है।। उल्लेखनीय है कि सीएम हेल्पलाइन की निरंतर समीक्षा के परिणामस्वरूप कटनी जिला पिछले करीब 18 माहों से लगातार प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल है।कलेक्टर श्री तिवारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को और बेहतर उपलब्धि अर्जित करने के लिए और भी जोश और जज्बे के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रशासन में शुचिता, पारदर्शिता तथा सुशासन का बेहतर माध्यम होने के साथ ही आमजन की समस्याओं के निराकरण का भी अच्छा जरिया है।

खनिज राजस्व वसूली में प्रशासन का सख्त रुख दो माह में 30 लाख की वसूली, 50 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में खनिज राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली तथा अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। अभियान के रूप में संचालित इन कार्रवाइयों के तहत पिछले दो महीनों में 50 से अधिक प्रकरण दर्ज कर लगभग 30 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है।कलेक्टर श्री तिवारी की अध्यक्षता में विगत दिनों आयोजित संयुक्त टास्क फोर्स की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जनवरी से अब तक अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के मामलों में त्वरित कार्रवाई की गई है।उपसंचालक खनिज श्री रत्नेश दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि–अवैध उत्खनन के 3 प्रकरणों में 2 लाख रुपये,अवैध भंडारण के 3 प्रकरणों में 8 लाख रुपये,तथा अवैध परिवहन के 40 से अधिक प्रकरणों में लगभग 20 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।कुल मिलाकर 50 से अधिक प्रकरणों में करीब 30 लाख रुपये की वसूली की जा चुकी है।लापरवाह खदान संचालकों पर कार्रवाईवित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति को देखते हुए राजस्व वसूली की प्रक्रिया और तेज कर दी गई है। नियमों की अनदेखी करने वाली 4 खदानों के विरुद्ध निरस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। भू-भाटक (डेड रेंट) एवं बकाया राशि समय पर जमा न करने वाले संचालकों को नोटिस जारी कर कड़े निर्देश दिए गए हैं।तकनीक से निगरानीजिले में खदानों की निगरानी के लिए भौतिक निरीक्षण के साथ-साथ सैटेलाइट इमेजरी जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इससे अवैध उत्खनन वाले क्षेत्रों की सटीक पहचान संभव हो रही है। प्रशासन का उद्देश्य खनिज उत्पादन को व्यवस्थित करना, समय पर रॉयल्टी जमा कराना तथा पर्यावरणीय एवं सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराना है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकालेश्वर मंदिर के पास बन रहा फेसिलिटी सेंटर-3

4.23 करोड़ से होगा सौंदर्यीकरण, स्टोन क्लैडिंग और थ्री-डी नक्काशी से मिलेगा महाकाल लोक जैसा हेरिटेज लुक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल की नगरी में दर्शनार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुविधाओं का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। बड़ा गणेश मंदिर के समीप निर्माणाधीन तीसरे जनसुविधा केंद्र (फेसिलिटी सेंटर-3) को अब भव्य और आकर्षक स्थापत्य स्वरूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। करीब 21 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस भवन का सिविल कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है, वहीं अब उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने इसके सौंदर्यीकरण और विद्युतीकरण पर फोकस तेज कर दिया है।

परियोजना के अनुसार भवन के बाहरी और आंतरिक हिस्सों को भव्य रूप देने के लिए 4.23 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च किए जाएंगे। इस राशि से स्टोन क्लैडिंग, थ्री-डी नक्काशी और आधुनिक फेकेड लाइटिंग का कार्य किया जाएगा।

लाल पत्थरों से निखरेगा वैभव- भवन को महाकाल लोक की स्थापत्य परंपरा से सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से राजस्थान के बंशी पहाड़ के लाल पत्थरों का उपयोग किया जाएगा। दीवारों और स्तंभों पर जालीनुमा शिल्प और उभरी हुई कलाकृतियां उकेरी जाएंगी, जिससे संरचना को हेरिटेज लुक मिलेगा।

रात्रि में भवन की भव्यता और अधिक निखरे, इसके लिए अत्याधुनिक फेकेड लाइटिंग लगाई जाएगी। इससे न केवल वास्तुशिल्प की बारीकियां उभरकर सामने आएंगी, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। शीर्ष भाग पर पारंपरिक शिखर और कांस्य कलश की स्थापना कर इसे मंदिर परिसर की समग्र वास्तु योजना से जोड़ा जाएगा।

भीड़ का दबाव होगा कम- यह जनसुविधा केंद्र रूद्रसागर और हरसिद्धि क्षेत्र से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुख्य प्रवेश एवं एग्जिट के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां वातानुकूलित फूड कोर्ट, विशाल प्रतीक्षालय, लड्डू प्रसाद काउंटर, टिकट काउंटर, जूता स्टैंड और आधुनिक सुविधाघर एक ही परिसर में उपलब्ध होंगे।

प्रशासन का मानना है कि इस केंद्र के शुरू होने से मुख्य मंदिर द्वार पर भीड़ का दबाव कम होगा और दर्शन व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित बनेगी। बड़ा गणेश मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं के दबाव को ध्यान में रखते हुए इसकी क्षमता विशेष रूप से निर्धारित की गई है।

तय समयसीमा से पीछे चला प्रोजेक्ट- इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण कार्य जुलाई 2024 में शुरू हुआ था। तकनीकी कारणों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते प्रोजेक्ट लगभग आठ माह पीछे चल रहा है। हालांकि अब फिनिशिंग और विद्युत कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि इसे जल्द ही श्रद्धालुओं के लिए खोला जा सके।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं का दावा- महाकाल महालोक परिसर के समीप बन रहा यह केंद्र श्रद्धालुओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा करता है। प्रशासन का मानना है कि नया सुविधा केंद्र शुरू होने से प्रतीक्षा समय घटेगा, भीड़ का संतुलित वितरण होगा और दर्शन प्रक्रिया पहले से अधिक सहज व आरामदायक बनेगी।

एक नजर में प्रोजेक्ट और फायदे- लागत संरचना- मुख्य भवन निर्माण पर 21 करोड़ रुपये, जबकि स्टोन क्लैडिंग, थ्री-डी नक्काशी और फेकेड लाइटिंग पर 4.23 करोड़ रुपये अतिरिक्त व्यय।

डिजाइन एजेंसी- नाइन स्क्वायर्स आर्किटेक्ट्स द्वारा हेरिटेज लुक पर आधारित आर्किटेक्चरल प्लान।

विशेषता- बड़ा गणेश मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर विशेष डिजाइन।

सुविधाएं- एसी फूड कोर्ट, प्रतीक्षालय, प्रसाद काउंटर, टिकटिंग, जूता स्टैंड व आधुनिक सुविधाघर एक ही परिसर में।

विश्वप्रसिद्ध फ्रीस्टाइल फुटबॉलर जेमी नाइट ने उज्जैन में विद्यार्थियों को प्रेरित किया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्वप्रसिद्ध फ्रीस्टाइल फुटबॉलर जेमी नाइट से प्रेरणा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर पोदार इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों को मिला। विश्व के शीर्ष दस फ्रीस्टाइल फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल तथा अनेक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के धारक जेमी नाइट की उपस्थिति से विद्यालय परिसर में उत्साह और ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला।

भारत की सातवीं यात्रा पर आए जेमी नाइट ने पोदार एजुकेशन नेटवर्क की स्पोर्ट्स एक्सीलेंस पहल के अंतर्गत पोदार इंटरनेशनल स्कूल, उज्जैन में एक विशेष प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य खेल के माध्यम से विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, एकाग्रता, अनुशासन और दृढ़ता जैसे गुणों का विकास करना था।

जेमी नाइट फुटबॉल पर असाधारण नियंत्रण कौशल और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ सहयोग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने यूईएफए यूरो 2020 में आधिकारिक वैश्विक मैस्कॉट के रूप में सहभागिता की है, वहीं 2017 और 2018 में आयोजित यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में भी विशेष प्रस्तुतियाँ दी हैं। उनकी रोमांचक कसरतों और सटीक तकनीक ने विद्यार्थियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर जेमी नाइट ने कहा, भारत में पुनः आना और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, कौशल तथा सृजनात्मकता में हुए सकारात्मक बदलाव को देखना सदैव आनंददायक होता है। पोदार इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों का उत्साह, ऊर्जा और प्रतिभा मुझे निरंतर प्रेरित करती है।

इस अवसर पर पोदार एजुकेशन नेटवर्क के निदेशक हर्ष पोदार ने कहा, जेमी नाइट का हमारे संस्थान में बार-बार आगमन हमारे लिए गौरव की बात है। उनकी प्रत्येक यात्रा हमारे विद्यार्थियों पर गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ती है। उनकी कार्यशालाएँ केवल फुटबॉल कौशल तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि अनुशासन, एकाग्रता और धैर्य जैसे जीवन मूल्यों का भी विकास करती हैं। पोदार में हमारा विश्वास है कि ऐसे अनुभव विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और पाठ्यपुस्तकों से परे जाकर सीखने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

जेमी नाइट के अनुसार, फ्रीस्टाइल फुटबॉल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक शक्ति, आत्मविश्वास और सकारात्मक एवं प्रगतिशील सोच को भी विकसित करता है। यह दृष्टिकोण पोदार एजुकेशन नेटवर्क की समग्र और सर्वांगीण शिक्षा की प्रतिबद्धता के पूर्णतः अनुरूप है।

कर्मचारियों ने खेल के माध्यम से अनुशासन और फिटनेस का दिया संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शास्त्री नगर स्थित शास्त्री स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट महाकाल कैप 2026 का सफल आयोजन हुआ। टूर्नामेंट में रतलाम मंडल की 8 रेलवे टीमों ने भाग लेकर रोमांचक मुकाबले खेले। सागर उदगीर ने जानकारी देते हुए बताया कि टूर्नामेंट का शुभारंभ रविवार सुबह 8 बजे असिस्टेंट इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मंजीत कुमार सिंह की उपस्थिति में पूजन के साथ हुआ। दिनभर चले मैचों के बाद फाइनल मुकाबला महाकाल उज्जैन टीम और रेलवे इंदौर टीम के बीच खेला गया।

वेस्टर्न रेलवे एम्पलाई यूनियन शाखा उज्जैन द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल महाकाल टीमउज्जैन और इंदौर रेलवे टीम के बीच में हुआ। फाइनल में इंदौर की टीम ने पहले खेलते हुए 65 रन बनाए। बाद में लक्ष्य का पीछा करते हुए उज्जैन महाकाल की टीम केवल 58 रन बना पाई और इंदौर रेलवे की टीम ने फाइनल को सात रन से जीत लिया। फाइनल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रतलाम से उज्जैन आए मंडल सचिव मनोहर बारठ एवं कोषाध्यक्ष शैलेश तिवारी उपस्थित थे।सेमीफाइनल और फाइनल में विजेता व उपविजेता टीमों को नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में दर्शक मैदान में उपस्थित रहे। मंडल सचिव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी ड्यूटी के साथ-साथ समय निकालकर खेल गतिविधियों का आयोजन करना अत्यंत सराहनीय कार्य है। खेल न केवल अनुशासन सिखाते हैं, बल्कि टीम भावना को मजबूत करने के साथ-साथ स्वस्थ जीवन शैली का भी संदेश देते हैं।

टेराकोटा प्रशिक्षण शिल्पी आत्मनिर्भरता की ओर एक और कदम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माटीकला बोर्ड, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा प्रायोजित एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग के सहभागिता में ज़िला पंचायत हाट बाज़ार, नीलगंगा क्षेत्र, उज्जैन में 45 दिवसीय टेराकोटा प्रशिक्षण 22 फरवरी को संपन्न हुआ।

समापन समारोह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, श्री श्रेयांस कुमट मुख्य अतिथि रहें। वार्ड क्रमांक 44 की पार्षद सुश्री नीलम कालरा , एवं भोपाल से एमपीकॉन के वरिष्ठ अधिकारी सीओओ श्री मिश्रा एवं सहायक संचालक हाथकरघा सुश्री पूर्वा पुणतांबेकर ने भी कार्यक्रम में अतिथि बनकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने शिल्पियों को मार्गदर्शन व प्रोत्साहन देते हुए उनके द्वारा बनाए गए माटी की कलाकृतियों की भी सराहना की।

यह प्रशिक्षण माटीकला बोर्ड के कौशल विकास योजना अंतर्गत दिया गया। एमपीकॉन लिमिटेड भोपाल द्वारा इस प्रशिक्षण का आयोजन एवं क्रियान्वयन किया गया। यह प्रशिक्षण 06 जनवरी से 22 फरवरी तक चला। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर श्री राहुल प्रजापति द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण 25 माटी शिल्पियों को दिया गया, प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं को प्रतिदिन 100 रुपए छात्रवृत्ति एवं नाश्ता भी दिया गया।प्रशिक्षण में शिल्पियों ने मिट्टी के बर्तन, खिलौने, टेराकोटा आभूषण, दीपक एवं सजावटी वस्तुएँ आदि बनाना सीखी।

प्रशिक्षण उपरांत शिल्पी आत्मनिर्भरता की ओर एक और कदम बढ़ा सकेंगी एवं मिट्टी को मूर्त रूप देकर अपनी कला देश एवं विदेशों में विस्तारित कर सकेंगे।

नोटिस की मियाद खत्म होते ही ढाबा रोड क्षेत्र के रहवासी, खुद तोड़ने लगे मकान

छत्रीचौक से सत्यनारायण मंदिर मार्ग होगा चौड़ा, अभी दिनभर लगता है जाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के सबसे व्यस्त और संकरे मार्ग छत्रीचौक पानी की टंकी से सत्यनारायण मंदिर मार्ग (ढाबा रोड) तक सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई शुरू हो गई। नगर निगम द्वारा दिए गए नोटिस की अवधि समाप्त होते ही निगम का भारी अमला और बुलडोजर मौके पर पहुंच गया। प्रशासन की सख्ती देखते ही कई प्रभावित परिवारों और व्यापारियों ने नुकसान कम करने के लिए अपने-अपने घरों और दुकानों के चिन्हित हिस्से खुद ही तोड़ना शुरू कर दिया।

कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में हलचल का माहौल रहा। सुरक्षा व्यवस्था और यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन ने मार्ग के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर दी और ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया। मौके पर नगर निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह और उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल स्वयं मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई की मॉनिटरिंग करते रहे।

कई व्यापारियों ने दुकानों के आगे बने चबूतरे, शेड और दीवारों से बाहर निकले हिस्सों को स्वेच्छा से हटा लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि केवल चिन्हित अतिक्रमण पर ही कार्रवाई की जा रही है और सड़क को निर्धारित चौड़ाई तक विकसित किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने निर्माण एजेंसी को सख्त निर्देश दिए हैं कि तोड़फोड़ के साथ ही मलबा तत्काल हटाया जाए, ताकि आमजन को असुविधा न हो। उन्होंने आवश्यकतानुसार रात्रिकालीन शिफ्ट में भी काम कर प्रोजेक्ट को तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण से क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या काफी हद तक कम होगी और बाजार क्षेत्र में आवागमन सुगम बनेगा।

उज्जैन में पुलिस की बलवा ड्रिल, दंगाई बन जवानों ने किया पथराव, लाठीचार्ज का अभ्यास

भीड़ नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई और समन्वित रणनीति का किया गया अभ्यास, आमजन की सुरक्षा का दिया संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से रविवार को पुलिस द्वारा बलवा ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान दंगे जैसी स्थिति का जीवंत अभ्यास कर जवानों को सिखाया गया कि अचानक उपजी हिंसक परिस्थिति से किस तरह प्रभावी ढंग से निपटा जाए।

रविवार सुबह ड्रिल के दौरान दो टीमों का गठन किया गया। एक टीम को दंगाई की भूमिका सौंपी गई, जिन्होंने पुलिस पर अचानक पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख पुलिस अधिकारियों ने पहले समझाइश दी और भीड़ को शांत करने का प्रयास किया। लेकिन जब स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिखाई दी तो पुलिस ने नियमानुसार लाठीचार्ज कर दंगाइयों को खदेड़ने की कार्रवाई की।

संसाधनों के सीमित होने पर भी नियंत्रण की ट्रेनिंग, अधिकारियों ने जवानों को बताया कि अक्सर भीड़ अधिक होती है और पुलिस बल सीमित। ऐसे में उपलब्ध संसाधनों के जरिए तुरंत स्थिति को काबू में करना बड़ी चुनौती होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए जवानों को रणनीतिक तरीके से मोर्चा संभालने, घेराबंदी करने और भीड़ को तितर-बितर करने का अभ्यास कराया गया।

घायल का तत्काल रेस्क्यू- ड्रिल के दौरान यह भी दर्शाया गया कि यदि किसी पुलिसकर्मी या आमजन को चोट लगती है तो किस प्रकार तत्काल रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए। प्राथमिक उपचार और त्वरित प्रतिक्रिया की प्रक्रिया का भी अभ्यास कराया गया।

अनुशासन और साहस का प्रदर्शन- पूरे अभ्यास के दौरान पुलिस जवानों ने अनुशासन और साहस का प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की ड्रिल का उद्देश्य सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि आमजन को यह भरोसा दिलाना भी है कि पुलिस हर परिस्थिति में उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है।

तापमान के उतार-चढ़ाव से बिगड़ रही लोगों की सेहत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फरवरी माह के के अंत में तापमान के उतार-चढ़ाव के कारण लोगों की सेहत बिगड़ रही है। शहर के अस्पतालों और क्लीनिकों में पेट में इन्फेक्शन व अन्य समस्याओं वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डॉक्टरों के अनुसार मौसम बदलने और खानपान में लापरवाही के कारण एसिडिटी, गैस, अपच, पेट दर्द और दस्त की शिकायतें आम हो गई हैं। जिला अस्पताल निजी अस्पतालों में पेट की बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। फरवरी माह में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (पाचन तंत्र से जुड़ी) बीमारियों वाले मरीजों की संख्या 20 प्रतिशत तक बढ़ी है। इनके इलाज में लापरवाही से इन्फेक्शन, फूड पॉइजनिंग और पेट के अल्सर की समस्या हो सकती है। दिनचर्या में बदलाव से राहत मिल सकती है। चिकित्सकों ने बताया कि मौसम बदलने से पाचन क्रिया प्रभावित होती है। पानी की कमी से भी पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। व्यवस्थित दिनचर्या और शरीर में पानी की मात्रा संतुलित रखें। इलाज में लापरवाही बरतने पर अल्सर या आंत की रुकावट, फटने या सिकुड़ने का खतरा हो सकता है।

एमपी ट्रांसको में 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' बनी कार्य संस्कृति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाते हुए सभी सबस्टेशनों एवं ट्रांसमिशन लाइनों पर मेंटेनेंस कार्य से पूर्व सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य पालन सुनिश्चित किये जाने की पहल की है।

मेंटेनेंस कार्य प्रारंभ करने से पहले संबंधित तकनीकी स्टाफ द्वारा सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर संभावित जोखिमों का आकलन किया जाता है तथा टीम को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की जाती है। इसके साथ ही 'पेप टॉक' के माध्यम से सुरक्षा मानकों, लाइव उपकरणों की स्थिति, कार्य क्षेत्र की संवेदनशीलता और आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की जाती है, ताकि प्रत्येक कर्मचारी पूर्ण सजगता और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सके।

कार्य के दौरान एकाग्रता बनाए रखने के उद्देश्य से मोबाइल फोन कंट्रोल रूम शिफ्ट इंचार्ज अथवा संबंधित सुपरवाइजर के पास सुरक्षित रूप से जमा कराए जाते हैं। कार्य प्रारंभ से पूर्व संबंधित क्षेत्र को विधिवत अर्थिंग से जोड़ने तथा सुरक्षा मानकों की दोहरी पुष्टि की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मेंटेनेंस टीम के लीडर को रोटेशन मे बदलने की अभिनव पहल से कर्मचारियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व बोध एवं टीम भावना का विकास हो रहा है। कंपनी का यह प्रयास न केवल दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार कार्य संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है।

हिन्दू सम्मेलन और भागवत कथा की समीक्षा बैठक में हुआ कथा व्यास पं. अजय शंकर तिवारी का सम्मान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नीमनवासा में आयोजित भव्य हिन्दू सम्मेलन और हाल ही में संपन्न हुई श्रीमद् भागवत कथा को लेकर रविवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मक्सी रोड पावासा स्थित एक गार्डन में आयोजित इस बैठक में आयोजनों की सफलता पर चर्चा की गई और कथा व्यास को भावभीनी विदाई दी गई।

आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए आनंद खींची ने बताया कि समस्त सनातनियों को एकजुट करने के मुख्य उद्देश्य से 25 जनवरी को पूरे भारतवर्ष में एक साथ हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया गया था। इसी श्रृंखला में नीमनवासा में भी यह भव्य आयोजन हुआ था, जिसकी रूपरेखा और समाज पर इसके सकारात्मक प्रभाव को लेकर इस समीक्षा बैठक में विस्तार से चर्चा की गई।

मोबाइल पर बात करते वाहन चालकों पर सख्ती.. विशेष अभियान शुरु

मुख्य मार्गों पर पॉइंट लगाकर तैनात हुई उज्जैन यातायात पुलिस, मोबाइल पर बात करते मिले तो कटेगा चालान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने आज रविवार से सख्त रुख अपनाया है। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत शहर के प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर जगह-जगह पॉइंट लगाकर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जो लगातार निगरानी कर रहे हैं।

अभियान के दौरान जो भी चालक वाहन चलाते हुए मोबाइल पर बात करता पाया जाएगा, उसके खिलाफ तत्काल चालानी कार्रवाई की जाएगी।

यातायात डीएसपी दिलीप सिंह परिहार ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यह कार्रवाई शाम तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। मोबाइल पर ध्यान भटकने से दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने फिर से सख्ती का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी इसी तरह का अभियान चलाया गया था, जिसमें 250 से अधिक वाहन चालक मोबाइल पर बात करते हुए पकड़े गए थे और उनसे 2.5 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हाल ही में कलेक्टर द्वारा यातायात विभाग को अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद यह विशेष कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और अपनी व दूसरों की सुरक्षा में सहयोग करें।.

विक्रम उत्सव 2026: युद्ध किसी भी पक्ष के लिए लाभकारी नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित विक्रम नाट्य समारोह में रविवार को काव्य-नाटक अंधायुग की प्रभावशाली प्रस्तुति हुई। यह हिंदी साहित्यकार डॉ. धर्मवीर भारती की महत्वपूर्ण कृति है, जिसका निर्देशन मैस्नाम जॉय मीतेइ (नई दिल्ली) ने किया। नाटक की कथा महाभारत के युद्ध के अंतिम दिन के बाद की घटनाओं पर आधारित है, जिसमें युद्ध की विभीषिका, नैतिक पतन और मानवीय त्रासदी को गहराई से उकेरा गया। नाटक की शुरुआत से पूर्व मां भारती को नमन कर नाट्य नाटिका प्रस्तुत हुई। इसके बाद अतिथि आचार्य श्री रामराजेश मिश्र पूर्व कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर एवं डॉक्टर जितेंद्र भटनागर ने कलाकारों का सम्मान किया है। मंच का संचालन राष्ट्रीय कवि श्री दिनेश दिग्गज ने किया। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (भारंगम) के संयुक्त तत्वावधान में जारी नाट्य महोत्सव के सातवें दिन कालिदास अकादमी के संकुल भवन में शाम 7.30 बजे से नाटक का मंचन हुआ। प्रस्तुति में धृतराष्ट्र, गांधारी और अश्वत्थामा की मानसिक अवस्था, अश्वत्थामा द्वारा प्रतिशोध में पांडव पुत्रों की हत्या तथा गांधारी द्वारा कृष्ण को शाप देने जैसे मार्मिक प्रसंगों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से महाभारत के पात्रों को नए दृष्टिकोण से दिखाने का प्रयास किया गया।